शिक्षकों के लिए

गतिविधि बैंक

(कक्षा शिक्षण हेतु)

uke %
inuke %
fo|ky; %
irk %

शिक्षक–बन्धु,

प्रशिक्षण शिविरों में आपने अनेक गतिविधियों को स्वयं करके अनुभव किया होगा कि जब हम शिक्षक अथवा प्रशिक्षक अपनी प्रौढ़ावस्था में आकर इतना आनन्दित हो उठते हैं, तो कल्पना कीजिये कि बच्चे, जो अपने बाल स्वभाव के कारण खेल पसंद करते हैं, उन्हें इन गतिविधियों में कितना आनन्द आता होगा ? जरा सोचें ! कि बच्चों को कितनी रुचिकर, महत्वपूर्ण एवं उपयोगी लगती होंगी ये गतिविधयाँ ?

प्रस्तुत गतिविधि बैंक में ऐसी रुचिकर गतिविधियों का संकलन किया गया है, जिनमें बच्चों ने अपनी गहरी रुचि व्यक्त की है। आप अपनी कक्षा में इन गतिविधियों को प्रयोग करके देखिये, कि बच्चे किस हद तक इन्हें पसंद करते हैं। वे इनमें कितनी खुशी जाहिर करते हैं। जरा सोचिये ! आप क्या इन गतिविधियों में मामूली परिवर्तन करके अन्य विषयों के साथ अथवा अपनी अन्य कक्षाओं में भी प्रयोग कर सकते हैं।

धन्यवाद !

© उ०प्र० सभी के लिए शिक्षा परियोजना परिषद
राज्य परियोजना कार्यालय, विद्या भवन, निशातगंज, लखनऊ, उ०प्र०
यहाँ संकलित सामग्री कई स्रोतों से ली गयी है। हम उन सभी के लिए आभारी है। इस सामग्री का उपयोग राज्य परियोजना कार्यालय की पूर्वानुमति से किया जा सकता है।
१९९९

गतिविधियाँ क्यों ?

- ❖ सीखने की प्रक्रिया का सबसे प्रभावशाली माध्यम है।
- ❖ खुद से सोचने, करने और सीखने को सम्भव बनाती है।
- ❖ पाठ्यवस्तु को रोचक /मजेदार बनाती हैं।
- ❖ सीखने की प्रक्रिया को सरल बना देती हैं।
- ❖ बच्चे को खुद सोचने अथवा करने को प्रेरित करती हैं।
- ❖ गतिविधियाँ बच्चे के लिए उपयोगी एवं महत्वपूर्ण होती हैं।
- ❖ बच्चे को अभ्यास के द्वारा दक्षता विकास के अवसर देती हैं।
- ❖ समस्याओं के निराकरण के लिए नवीन परिस्थितियाँ उत्पन्न करती हैं।
- ❖ बच्चों को भयमुक्त करती हैं।
- ❖ बच्चों की झिझक दूर करती हैं।
- ❖ शिक्षक और बच्चों के बीच संबंधों को सुखद बनाती हैं।
- ❖ शिक्षकों के काम को आसान बनाती है।

अच्छी गतिविधि की विशेषताएं

एक अच्छी गतिविधि की निम्नांकित विशेषताएं होती हैं –

१. गतिविधि बच्चों के लिए रुचिकर हो। (सुखद/आनन्ददायी)
२. अधिकांश बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग कर रहे हों।
३. बच्चे उसे महत्वपूर्ण समझते हों। (बच्चों के लिए उपयोगिता)
४. गतिविधि में किसी प्रकार का भय या तनाव न हो। (स्वतंत्रता की अनुभूति)
५ गतिविधि में कुछ नया करने या सोचने के अवसर हों। (सृजनशीलता)
६. गतिविधि में चुनौती (और कभी–कभी) प्रतियोगिता/प्रतिस्पर्धा की भावना हो।
७. गतिविधि में अपने विचारों या अनुभवों को प्रकट करने का समान अवसर हो।
८. गतिविधि के द्वारा बच्चों में उत्सुकता या जिज्ञासा उत्पन्न हो सके।
९. गतिविधि में स्वयं करके सीखने के पर्याप्त अवसर हों।
१०. गतिविधि में दिश तो हो, परन्तु खुलापन/लचीलापन भी हो।
११. गतिविधि ऐसी हो कि बच्चे वास्तव में उससे शिक्षण लक्ष्यों की ओर बढ़ सकें।

गतिविधि संख्या १

गतिविधि का नाम : **वस्तु बूझो**
अनुमानित समय : २०–२५ मिनट
दक्षताएं : कल्पनाशीलता, तर्क से अनुमान करना/निष्कर्ष निकालना, भाषा का नपा–तुला प्रयोग, वस्तु के प्रयोग की जानकारी, तर्कशक्ति, वर्गीकरण, विश्लेषण।

तरीका/विधि :

१. शिक्षक/प्रशिक्षक बच्चों/प्रतिभागियों के पास एवं अपने आस–पास के परिवेश में से १५–२० प्रकार की वस्तुएं एकत्रित करे तथा उन्हें कक्षा के बीच में रखे।
२. इसके उपरान्त बच्चों/प्रतिभागियों को छोटे समूहों में बाँट लें तथा हर समूह एक नेता चुनें।
३. एक समूह किसी एक वस्तु का नाम सोच कर पर्ची पर लिखेगा और शिक्षक/प्रशिक्षक को दे देगा।
४. दूसरा समूह वस्तु का नाम पता करने के लिए पहले समूह से १० प्रश्न तक पूछ सकता है।
५. वस्तु का नाम जानने वाले समूह का नेता, प्रश्नों का उत्तर केवल 'हाँ' या 'नहीं' में दे सकता है।
६. जो समूह वस्तु को जितनें कम प्रश्नों में बूझता है उसे बचे प्रश्नों की संख्या के बराबर अंक प्रदान किया जाएगा। उदाहरण के लिए – यदि कोई समूह तीन प्रश्नों में वस्तु बूझता है तो उसे ७ अँक प्रदान करें। प्राप्त अंकों को चार्ट पर लिखें।
७. अन्त में सभी समूहों के प्राप्त अंक जोड़ें और विजेता समूह को प्रोत्साहित करें।

गतिविधि संख्या २

गतिविधि का नाम : **'शब्दों की अन्ताक्षरी'**
सम्भावित समय : २०–२५ मिनट
दक्षताएं : सृजनशीलता, सजगता, दिमागी कसरत।

तरीका/विधि :

१. शिक्षक/प्रशिक्षक, बच्चों/प्रतिभागियों को दो समूहों में बाटेगा।
२. फिर शिक्षक/प्रशिक्षक एक 'वर्ण' जैसे 'र' बोलेगा।
३. शिक्षक/प्रशिक्षक एक समूह को संकेत देगा कि वह समूह दो वर्णों का 'र' से कोई सार्थक शब्द बनाएं। जैसे :– रात।

४. दूसरा समूह 'रात' शब्द के अन्त वाले वर्ण से दो वर्णों का कोई अन्य शब्द बनाएगा। जैसेः– 'रात' का 'त' वर्ण से 'ताला'। इसी प्रकार अन्य समूहों से भी सार्थक शब्द बनानें को कहा जाएगा।

५. इस प्रकार ज्यादा से ज्यादा दो चक्रों में इसे कर सकते हैं अर्थात् हर समूह की दो बार बारी आएगी।

६. दो राउन्ड कर लेने के बाद आखिरी शब्द के अन्तिम वर्ण – ताला का 'ला' से तीन वर्णों का सार्थक शब्द समूहों द्वारा बनवाए जाएं। और उसे पहले कि भाँति दो चक्रों में पूरा करवाएं।

७. इसके बाद चार, पाँच, छः वर्णों के शब्दों की ओर बढ़ें

शिक्षक/प्रशिक्षक के लिए –

१. शिक्षक/प्रशिक्षक यह ध्यान रखें कि नामों पर आधारित शब्द न हों।

२. इसके अलावा ढाई, साढ़ेतीन, आदि शब्दों का भी प्रयोग गतिविधि के लिए किया जा सकता है जैसे – किसी ने बोला 'विभिन्न' तो यह शब्द साढ़े तीन वर्णों का माना जाएगा। मात्रा अलग से नहीं गिनी जाएगी।

३ शब्द सार्थक एवं अर्थपूर्ण हों।

४. अग्रेंजी शब्दों का हिन्दी में प्रयोग नहीं किया जाएगा जैसे – 'कम्यूनिटी मोबिलाईज़ेशन'।

५. किसी शब्द के संक्षिप्त रूप का प्रयोग नहीं किया जाए।

गतिविधि संख्या ३

गतिविधि का नाम : **आओ शब्द बनाएं**
संभावित समय : २०–२५ मिनट
दक्षताएं : सृजनशीलता, नए शब्दों की रचना करके भाषा विकास करना, नए शब्दों को जानना।

तरीका/विधि :

१. शिक्षक/प्रशिक्षक कोई एक वर्ण बोलेगा जैसे :– 'इ'

२. बच्चे/प्रतिभागी इस वर्ण से कोई सार्थक शब्द बनाएंगें जैसे – 'इ' से इमली, इडली, इलाका।

३. इसी प्रकार दो, चार, पाँच आदि वर्णों के शब्द बनवाए जाएं जैसे – इ से इबारत, इमारत आदि।

शिक्षक/प्रशिक्षक के लिए :

१. उपरोक्त वर्ण के अलावा भी अन्य वर्ण का प्रयोग किया जाए।

२. यह ध्यान रखें कि शब्द सार्थक हों।

३. किसी व्यक्ति, स्थान या वस्तुओं के नामों का प्रयोग नहीं किया जाए।

४. यदि कोई शब्द जैसे 'रस्सी' बोला गया तो यह शब्द कुल ढाई वर्णों का शब्द माना जाएगा। मात्रा अलग से नहीं गिनी जाएगी।

५. इसके अलावा ढाई, साढ़ेतीन आदि शब्दों का भी प्रयोग इस गतिविधि में किया जा सकता है।
६. किसी शब्द के संक्षिप्त रूप का प्रयोग नहीं किया जाएगा।
७. अंग्रेजी शब्दों का हिन्दी में प्रयोग नहीं किया जाएगा जैसे : कम्यूनिटी पार्टीसिपेशन।

गतिविधि संख्या ४

गतिविधि का नाम : **वस्तु एक–वाक्य अनेक**
संभावित समय : १५–२० मिनट
दक्षताएं : सोचने की शक्ति का विकास, वस्तु का ज्ञान, कल्पनाशीलता, बोलने की क्षमता का विकास।

तरीका / विधि :

शिक्षक / प्रशिक्षक कोई भी उपलब्ध वस्तु जैसे चॉक या डस्टर को बच्चों / प्रतिभागियों के समक्ष रखेगा और हर प्रतिभागी से उस वस्तु पर एक–एक वाक्य बोलने को कहेगा।

शिक्षक / प्रशिक्षक के लिए :

१. शिक्षक / प्रशिक्षक यह ध्यान रखें कि उस वस्तु के कम–से–कम १५–२० वाक्य बनें जिससे बच्चों / प्रतिभागियों की कल्पनाशीलता को बढ़ावा मिले।
२. शिक्षक / प्रशिक्षक परिवेश से संबंधित वस्तु का भी प्रयोग कर सकता है।
३. खिड़की, दरवाजा, छत, कुण्डी आदि जैसी वस्तुओं का भी प्रयोग कर सकता है।
४. इस गतिविधि को प्रशिक्षक भाषा, पर्यावरण एवं गणित से भी जोड़ सकता है।
५. इस गतिविधि को रूचिकर बनाने के लिए प्रशिक्षक, बड़े समूह में लिखने को कह सकते है अथवा प्रतिभागियों को भ्रमण के लिए या कमरे से बाहर भी ले जा सकता है और फिर देखी हुई वस्तु के बारे में उनसे पूछ सकता है।

सावधानियाँ :–

हो सकता है कुछ बच्चे / प्रतिभागी झिझकवश न बोलें। शिक्षक / प्रशिक्षक यह ध्यान रखें कि ऐसे बच्चे / प्रतिभागी भी प्रतिभाग करें।

गतिविधि संख्या ५

गतिविधि का नाम : **तम्बोला**
अनुमानित समय : १०–१५ मिनट
दक्षताएं : भाषा विकास, मानसिक सजगता / सतर्कता

तरीका / विधि :

१. सर्वप्रथम शिक्षक / प्रशिक्षक चार्ट पर खानें बनाकर उनमें अक्षर लिखेगा। उदाहरण के लिए –

फ	ल	न	ध
ट	ज	व	ड
ध	र	त	ह
स	च	म	क

२. शिक्षक / प्रशिक्षक, बच्चे / प्रतिभागियों को निर्देश देगा कि वह अक्षरों के दाएं, बाएं, ऊपर–नीचे, आड़ा–तिरछा मिला कर नए सार्थक शब्द बनाएं। जैसे – फल, हक, वर, चमक, मर।

३. शिक्षक / प्रशिक्षक, बच्चों / प्रतिभागियों द्वारा बताए हुए शब्दों को एक चार्ट पर लिखेगा। बच्चे / प्रतिभागी अपने पैड पर अधिकतम शब्द बना सकते हैं। सबसे ज्यादा शब्द बनाने वाले बच्चो / प्रतिभागियों के हाथ उठवाए जा सकते हैं।

शिक्षक / प्रशिक्षक के लिए सुझाव :

१. इस गतिविधि द्वारा खानों में अंक लिखकर जोड़–घटाव, गुणा–भाग की क्रियाएं की जा सकती हैं।

२. इस गतिविधि द्वारा फल, फूल, जानवर, पक्षी इत्यादि का ज्ञान पर्यावरणीय अध्ययन में कराया जा सकता है।

३. इस गतिविधि में खानों की संख्या बढ़ाकर कठिनाई स्तर बढ़ाया जा सकता है।

गतिविधि संख्या ६

गतिविधि का नाम : **वर्णक्रम**
संभावित समय : १५ मिनट
दक्षताएं : मानसिक जागरूकता, विश्लेषण करना, तर्क शक्ति का विकास।

तरीका / विधि :

१. शिक्षक / प्रशिक्षक कुछ शब्द चार्ट पर या ब्लैक–बोर्ड पर लिखेगा जैसे – य = ल, क = ग तो छ = ?, त = ?

२. शिक्षक / प्रशिक्षक / बच्चे प्रतिभागियों को सोचनें के लिए ५ मिनट का समय देगा।

३. जो बच्चे / प्रतिभागी हल कर लेंगें वह हाथ खड़ा करेंगें और शिक्षक / प्रशिक्षक उनसे एक–एक करके पूछेगा।

४. बच्चे / प्रतिभागी अपना उत्तर तर्क सहित प्रस्तुत करेंगे।

शिक्षक/प्रशिक्षक के लिए सुझाव :

१. यह गतिविधि एकल या समूहों में भी की जा सकती है।

२. इस गतिविधि का गणित में भी उपयोग किया जा सकता है। अक्षरों के स्थान पर अंकों का प्रयोग करें। यहाँ 'य' के बाद 'र' को छोड़कर 'ल' आया है तथा 'क' के बाद 'ख' को छोड़कर 'ग' आया है और इसे आपस में बराबर प्रदर्शित किया गया है। यहाँ अक्षरों को बराबर प्रदर्शित करनें में एक तार्किक क्रम हैं इसी प्रकार 'छ' तथा 'त' का मान अक्षरों के रूप में निकालना है। जो क्रमशः 'झ' तथा 'द' होंगें।

सावधानियाँ :

१. शिक्षक/प्रशिक्षक यह ध्यान रखें कि इस गतिविधि के लिए बच्चों/प्रतिभागियों को विषय का पूर्व ज्ञान हो।

२. यह गतिविधि कक्षा ५ के लिए बेहतर है। कक्षा –३ तथा ४ में भी यह गतिविधि करवाई जा सकती है परन्तु सरलीकृत रूप में।

३. बच्चे/प्रतिभागी/समूह अपना उत्तर बताते समय यह अवश्य बतायें कि उन्होंने किस प्रकार हल किया है।

४. समूहों में दिये गये शब्द/अंक भिन्न हो परन्तु अंकों का तार्किक क्रम एक सा हो।

गतिविधि संख्या ७

गतिविधि का नाम : **भाषा – कूद**

अनुमानित समय : ७–१० मिनट

दक्षताएं : जल्दी से निर्णय लेना, शाारीरिक तथा मानसिक कसरत एवं सजगता, क्रिया एवं प्रतिक्रिया का संबंध स्थापित करना।

तरीका/विधि :

सर्वप्रथम शिक्षक/प्रशिक्षक बच्चों प्रतिभागियों को अपने–अपने स्थान पर खड़े होने को कहेगा। शिक्षक/प्रशिक्षक गतिविधि के बारे में समझाते हुए कहेगा कि बच्चों/प्रतिभागी 'पशु–पक्षी' में पशु के नाम पर एक कदम आगे तथ पक्षी के नाम पर एक कदम पीछे कूदेंगे। जो गलती करेंगे उन्हें बीच–बीच में बैठा दिया जायेगा। जब वह पशु–पक्षी के नामों से अलग कोई अन्य शब्द बोलेगा तो सभी बच्चे/प्रतिभागी अपने स्थान पर खड़े रहेंगें। जो बच्चे/प्रतिभागी बाहर निकल जाएंगें, उन्हें कक्ष के बीच में बैठा कर गतिविधि की समाप्ति पर सभी बच्चों/प्रतिभागियों की सहमति से बोनस दिया जाएगा, अर्थात् उन्हें अपने अन्दर की प्रतिभा या गुणों जैसे – गायन, वादन, का मौका देंगे।

शिक्षक/प्रशिक्षक के लिए सुझाव :

शिक्षक/प्रशिक्षक यह गतिविधि सम–विषम, जीव–निर्जीव, फल–फूल, स्कवायर रूट (वर्गमूल), क्यूब रूट (घनमूल) आदि के साथ भी कर सकते हैं।

गतिविधि संख्या ८

गतिविधि का नाम : **सबकी कविता (नहीं होता भाई नहीं होता ––––––)**
अनुमानित समय : ७–१० मिनट
दक्षताएं : उच्चारण में स्पष्टता/शुद्धता, आवाज में उतार–चढ़ाव (सुर, ताल, लय का अभ्यास) स्वर–सामंजस्य, तर्कशक्ति, वस्तु विशेष की जानकारी।

तरीका/विधि :

१. शिक्षक/प्रशिक्षक गोले के बीच में खड़ा होकर बोलेगा ''नहीं होता भाई नहीं होता''। सभी प्रतिभागी गोले में घूमते हुए इस वाक्य को दुहराएंगें।

२. शिक्षक/प्रशिक्षक जिस बच्चे/प्रतिभागी की ओर संकेत करेगा वह बीच में आकर उसका स्थान ले लेगा और इसी प्रकार ''नहीं होता भई नहीं होता'' चार सूंड़ का हाथी, के आगे बच्चों/प्रतिभागियों का पूरा समूह इसे पूरा करेगा। जैसे :

होता है भई होता है, एक सूड़ का हाथी।
नही होती भई नही होती, हरे रंग की तितली।
होती है भई होती है, रंग–बिरंगी तितली।

३. जो बच्चे/प्रतिभागी कविता को आगे बढ़ानें के लिए वाक्य न बना पाए उन्हें बीच में बैठा कर गतिविधि की समाप्ति पर 'बोनस' दिया जाएगा।

शिक्षक/प्रशिक्षक के लिए सुझाव :

शिक्षक/प्रशिक्षक यह गतिविधि 'नहीं होता है भाई नहीं होता है' वाक्य लेकर कराएंगे। जिसमें लयबद्धता उतार–चढ़ाव का ध्यान रखना होगा। जैसे –

'नहीं होता भई नहीं होता, ... लाल रंग का तोता'।
होता है भई होता है, ... हरे रंग का तोता।

गतिविधि संख्या ९

गतिविधि का नाम : **'आक–छीं'**
संभावित समय : १० मिनट
दक्षताएं : सर्तकता, हाव–भाव के साथ कहानी सुनाना, रोचकता के साथ कहानी सुनाना।

आक् छीं

एक था ऊँट एक था सियार
दोनों में बहुत दोस्ती थी

एक दिन ***सियार बोला*** – भाई नदी पार खरबूज–तरबूज पके हैं खाने चलो। ***ऊँट बोला*** – चलो।

नदी गहरी थी। सियार तैरना नहीं जानता था। ***सियार बोला*** – ऊँट भाई अपनी पीठ पर बैठाकर पार करा दो। ***ऊँट बोला*** – अच्छा आओ।

नदी पार कर दोनों खेत में घुस गये। सियार का जल्दी–जल्दी खाकर पेट भर गया। ***सियार बोला*** – भाई मुझको हुलास लगी है। ***ऊँट बोला*** – आवाज सुनकर किसान आ जायेगा। ***सियार बोला*** – सहन नहीं हो रहा है। ***ऊँट बोला*** – रूको तो। ***सियार बोला*** – हुँआ हुँआ। आवाज सुनकर किसान आ गया।

किसान को देखकर ***सियार बोला*** – भागो ! पर ऊँट घिर गया। उसकी खूब पिटायी हुई। ऊँट पिटकर नदी किनारे पहुँचा। वहाँ सियार इंतजार कर रहा था। ***सियार बोला*** – क्यों भाई कैसी गुजरी। ***ऊँट बोला*** – ठीक है चलो।

सियार ऊँट की पीठ पर बैठकर चल दिया। बीच नदी में ***ऊँट बोला*** – मुझे लुटास लगी है। ***सियार बोला*** – अरे ! ऐसा मत करना। मैं डूब जाऊँगा बह जाऊँगा। ***ऊँट बोला*** – क्या करूँ सहन नहीं हो रहा है। ***सियार बोला*** – नहीं नहीं और ऊँट पानी में लोट गया।

तरीका / विधि :

१. शिक्षक / प्रशिक्षक, बच्चों / प्रतिभागियों को यह पहले से ही निर्देश दे देगा कि जब हम कहानी सुनाएंगे और जहाँ (**सियार बोला**) वाक्य आयेगा तब सारे प्रतिभागियों को जोर से कहना है 'आक–छी' और तब प्रशिक्षक आगे की कहानी सुनाएगा।

२. शिक्षक / प्रशिक्षक प्रतिभागियों को यह बता दे कि जब वह कहेगा 'ऊँट बोला', बच्चे / प्रतिभागी कुछ नही बोलेंगें।

प्रशिक्षक के लिए सुझाव :

१. शिक्षक / प्रशिक्षक यह ध्यान रखें कि वह जब भी 'सियार बोला' तथा 'ऊँट बोला' कहे तो वह कुछ क्षण के लिए रूक जाए और ऐसे हाव–भाव प्रदर्शित करें कि बच्चों / प्रतिभागियों को 'आक–छी' कहना है।

२. परन्तु शिक्षक / प्रशिक्षक यह भी ध्यान रखे कि बच्चों / प्रतिभागियों को सिर्फ 'सियारबोला' कहनें पर 'आक–छीं' कहना है न कि 'ऊँट बोला' के बाद।

गतिविधि संख्या १०

कहानी आगे बढ़ाओ

यहाँ दो स्थानों पर अधूरी कहानियां दी जा रही है। आप अपनी कल्पना से कहानी को बढ़ाकर पूरी कीजिये।

(१)

एक तोता, एक कुत्ते को अपनी चोंच में दबाकर उड़ा जा रहाथा। अचानक तोते को उबासी आ गयी। तोता .....

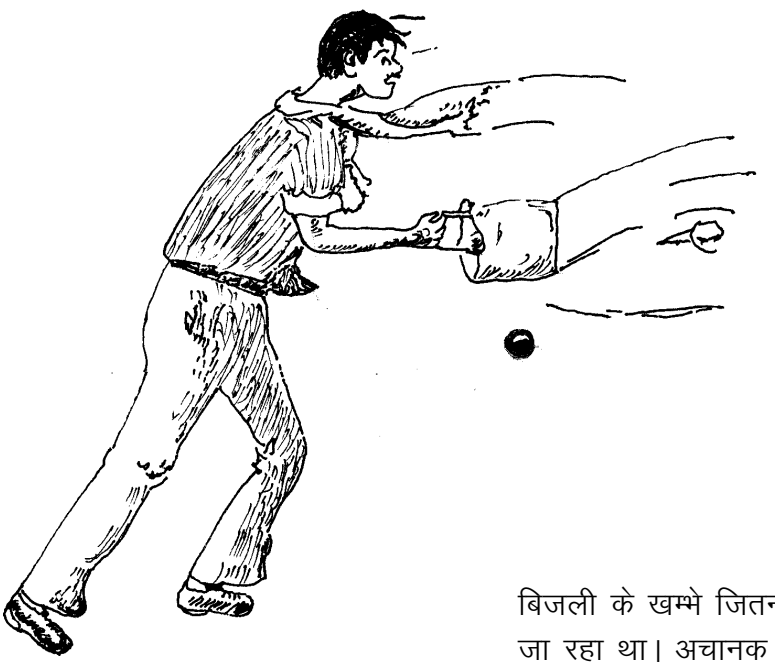

(२)

बिजली के खम्भे जितना लम्बा आदमी, सड़क पर जा रहा था। अचानक तूफान आ गया। आदमी ...

गतिविधि संख्या ११

सोता हुआ रक्षक

समूह संख्या – २० समयावधि – ३० मिनट

उद्देश्य :

- ❖ सुनने की शक्ति के उपयोग में दक्ष बनाना। इस शक्ति के महत्व को समझाना।

कैसे खेलें :

- ❖ इस खेल को खुले मैदान में खेलना चाहिये।
- ❖ समूह में एक विद्यार्थी रक्षक बनता है।
- ❖ रक्षक बने विद्यार्थी को उसके पांव के पास रखे खजाने की हिफाजत करनी होती है।
- ❖ दूसरे विद्यार्थी रक्षक से ५० मीटर की दूरी पर खड़े हो जाते हैं। उन्हें खजाना हथियाने की कोशिश करनी है। वे किसी भी तरफ से आ सकते है।
- ❖ रक्षक हर वक्त आंखें खोल नहीं सकता उसे झपकी आती रहती है।
- ❖ बाकी विद्यार्थी तभी आगे बढ़ सकते हैं जब रक्षक की आंखे बंद हों।
- ❖ यदि रक्षक किसी की आहट सुनता है तो ताली बजाकर उठ जाता है। तब सभी को अपने स्थान पर मूर्तिवत खड़े हो जाना है।
- ❖ अब रक्षक उस विद्यार्थी की ओर इशारा करेगा जिसकी आहट उसने सुनी है।
- ❖ रक्षक आवाज का वर्णन भी करेगा
- ❖ वह विद्यार्थी खेल से अलग हो जायेगा, इसी प्रकार रक्षक के जगते समय कोई हिले और उसे देख ले तो वह भी खेल से अलग हो जायेगा।

गतिविधि संख्या १२

गतिविधि का नाम : क्या मेरे दोस्त बनोगे ?
संभावित समय : १० मिनट
दक्षताएं : सचेत रहना, आस–पास की वस्तुओं को देखना एवं परखना।

तरीके / विधि :

१. शिक्षक बच्चों / प्रतिभागियों को गोल घेरे में खड़े होने का निर्देश देगा।
२. गोल घेरे में खड़े होने के बाद शिक्षक / प्रशिक्षक बीच में आएगा और बच्चों / प्रतिभागियों को गतिविधि के बारें में बताएगा।
३. शिक्षक / प्रशिक्षक यह निर्देश देगा कि जब वह किसी एक बच्चे / प्रतिभागी के पास

जाएगा और बोलेगा – ''क्या आप मेरे दोस्त बनेंगें ?'' यदि बच्चा/प्रतिभागी 'हाँ' कहेगा तो वह आगे बढ़ जाएगा यदि वह बच्चा/प्रतिभागी कहता है 'नहीं', तो शिक्षक/प्रशिक्षक पूछेगा ''तो फिर आप किसके दोस्त बनना पसन्द करेंगें ?'' वह बच्चा/प्रतिभागी बिना किसी अन्य बच्चे/प्रतिभागी का नाम लेते हुए कोई भी वाक्य बोल सकता है। जैसे : ''उनसे जिन्होनें चश्मा पहना है। ''सिर्फ वह बच्चा/प्रतिभागी जिन्होनें चश्मा पहना होगा अपने स्थान की अदला–बदली करेंगें। बाकी अपने स्थान पर पूर्ववत् खड़े रहेंगें। जो निर्देशों का ठीक तरह से पालन नहीं कर पाएगा, उसे 'फॉउल' कर दिया जाएगा और वह बीच घेरे में आकर शिक्षक/प्रशिक्षक का स्थान ले लेगा।

विशेष :

यह गतिविधि कक्षा १ से ५ तक करवाई जा सकती है। कठिनाई का स्तर अलग–अलग होगा।

शिक्षक/प्रशिक्षक के लिए सुझाव :

शुरुआत में दो–तीन उदाहरण आप स्वयं दे दें। ऐसी वस्तु/चीजों के नाम बोले जो अधिकांश प्रतिभागी/बच्चों के पास हो।

गतिविधि संख्या १३

गतिविधि का नाम : **बच्चों की पसंद**
अनुमानित समय : १०–१५ मिनट
दक्षताएं : बच्चों की पसन्द के बारे में जानकारी, जल्दी से निर्णय लेना, नए शब्दों की पहचान, झिझक टूटना।

तरीका/विधि :

शिक्षक/प्रशिक्षक, बच्चों/प्रतिभागियों के गोल घेरे में घूमते हुए कहता चलता है – ''बच्चों को क्या अच्छा लगता, जल्दी बोल–जल्दी बोल''। यह वाक्य कहते हुए शिक्षक/प्रशिक्षक जिस बच्चे/प्रतिभागी के सामने रूक जाता है उन बच्चों/प्रतिभागियों को पसन्द की किसी एक वस्तु का नाम बोलना होता है। उदाहरण के लिए :– यदि शिक्षक/प्रशिक्षक किसी बच्चे/प्रतिभागी से पूछता है कि – ''बच्चों को क्या अच्छा लगता ———————— '' तो वह बच्चे/प्रतिभागी छुट्टी, खेलना, मिठाई, कहानी सुनना आदि कोई भी एक चीज कह सकते हैं। यदि कोई बच्चा/प्रतिभागी बच्चों की पसन्द की किसी एक चीज का नाम न बता पायें तो वह गोल घेरे में आकर गतिविधि को संचालित करेगा। सभी बच्चे/प्रतिभागी भी ''बच्चों को क्या अच्छा लगता, जल्दी बोल–जल्दी बोल ———————— '' दुहराते रहेंगें।

शिक्षक/प्रशिक्षक के लिए सुझाव :

शिक्षक/प्रशिक्षक इसी तरह से ''बच्चों को क्या बुरा लगता, जल्दी बोल–जल्दी बोल'' करा सकते हैं।

गतिविधि संख्या १४

गतिविधि का नाम : **माचिस की तीलियों के खेल**
अनुमानित समय : २०–२५ मिनट
दक्षताएं : आकृतियों का ज्ञान, हाथ और मस्तिष्क की सक्रियता, कल्पनाशक्ति, सृजनशीलता।

तरीका / विधि :

शिक्षक / प्रशिक्षक, कक्ष में १०० से १५० तीलियों को ४–५ बच्चों / प्रतिभागियों के छोटे समूहों में वितरित कर देगा तथा उनको मिलजुल कर इन तीलियों से विभिन्न प्रकार की आकृतियों को बनाने के निर्देश देगा। प्रत्येक बच्चे / प्रतिभागी अपने समूह में तीलियों से कोई आकृति बनाएंगे। जैसे– अक्षर, अंक, विद्यालय भवन, आयत, त्रिभुज आदि। शिक्षक / प्रशिक्षक यह प्रक्रिया अपनाते हुए सभी बच्चों / प्रतिभागियों को आकृति बनाने का अवसर देगा।

प्रशिक्षक के लिए निर्देश :–

१. आकृतियाँ स्थिर हों, इसलिए माचिस की तीलियों को साईकिल के वाल्व से जोड़ सकते हैं !
२. अन्य वस्तुएं जैसे कंकड़, पत्तियाँ, बीज आदि एकत्र करके भी आकृति बनाई जा सकती है।

गतिविधि संख्या १५

गतिविधि का नाम : **अटपटे चित्र – चटपटी कहानी**
संभावित समय : १५ मिनट
दक्षताएं : कल्पनाशक्ति, सृजनशीलता, भाषा विकास,

तरीका / विधि :

१. शिक्षक / प्रशिक्षक, बच्चों / प्रतिभागियों के समक्ष एक ऐसा अटपटा चित्र प्रस्तुत करेगा, जिससे बच्चे / प्रतिभागी अनायास बोल उठे। जैसे : चित्र हो सकते है –
   १. घर के ऊपर गाय।
   २. पेड़ पर बैठा हाथी।
२. बच्चे / प्रतिभागी एक–एक करके अपने वाक्य बोलेंगें।

शिक्षक / प्रशिक्षक के लिए :

१. एक चित्र में कई अटपटे दृश्य हो सकते है।
२. कई अटपटे चित्रों के माध्यम से भी कहानी बनाई जा सकती है।

गतिविधि संख्या १६

गतिविधि का नाम : **मुझे छुओ तो जानूँ**
अनुमानित समय : ७–१० मिनट
दक्षताएं : दूरी और दिशा का अनुमान, इन्द्रियों का प्रयोग – स्पर्श से मालूम होना

तरीका / विधि :

सर्वप्रथम शिक्षक / प्रशिक्षक स्टूल के किसी हिस्से / भाग पर पुस्तक (या अन्य कोई वस्तु) रखेगा। फिर वह किसी एक बच्चे / प्रतिभागी को आँखें मूंद कर उस वस्तु विशेष तक जाकर उसे छूने के लिए निर्देश देगा। इस गतिविधि में शर्त यह है कि बच्चा / प्रतिभागी पहली बार में ही स्टूल पर रखी पुस्तक (या कोई अन्य वस्तु) छू लेगा। इसी प्रकार शिक्षक / प्रशिक्षक अन्य बच्चों / प्रतिभागियों को भी अवसर देगा। गतिविधि करानें के बाद शिक्षक / प्रशिक्षक, बच्चों / प्रतिभागियों से उनके गतिविधि के दौरान क्या अनुभव रहे इस पर चर्चा कराएं और इस चर्चा को सीखनें की प्रक्रिया से जोड़ें। जैसे :

१. वह बच्चा / प्रतिभागी जो सफल रहे, उन्हें कैसा लगा ? वस्तु छूने के लिए उन्होनें क्या प्रक्रिया अपनाई ?
२. वह बच्चा / प्रतिभागी जो वस्तु के बहुत करीब पहुँच कर भी वस्तु न छू पाए, उन्हें कैसा लगा ?
३. इस गतिविधि तथा सीखनें की प्रक्रिया में इंद्रियों का, मुख्य रूप से आँखों का क्या स्थान है ?

सावधानियाँ :

१. शिक्षक / प्रशिक्षक यह ध्यान रखें कि स्टूल पर रखी वस्तु बहुत छोटी न हो।
२. बच्चा / प्रतिभागी जो वस्तु छूने आ रहा है उसके रास्ते में कोई रूकावट न हो।
३. बच्चा / प्रतिभागी जिस रास्ते से चलकर वस्तु तक पहुंच रहे हों, उस रास्ते में ऐसा कुछ न हो जो उन्हें नियत स्थान तक पहुँचने मे मदद करे। जैसे :– वस्तु के आसपास से किसी आवाज का होना, रास्ते में बिछी दरी या हल्का अवरोध।

गतिविधि संख्या १७

गतिविधि का नाम : **नई संख्या निकालना**
अनुमानित समय : ५–१५ मिनट
दक्षताएं : मौखिक गणित / दिमागी कसरत (जोड़ना, घटाना, गुणा, भाग सम–विषम संख्याए) तथा विपरीत प्रक्रिया को अपनाकर उत्तर की जाँच स्वयं करना तथा सोचने एवं समझनें की शक्ति का विकास करना।

तरीका / विधि :

१. शिक्षक / प्रशिक्षक, बच्चों / प्रतिभागियों को कोई भी संख्या सोचने के लिए कहेगा। फिर उस सोची हुई संख्या को तीन से गुणा करने को कहेगा।

२. शिक्षक / प्रशिक्षक, बच्चों / प्रतिभागियों से संख्या के सम–विषम होने के बारें में जानकारी प्राप्त करेगा।

३. इसके बाद वह बच्चों / प्रतिभागियों से उस संख्या में अलग–अलग संख्याओं को

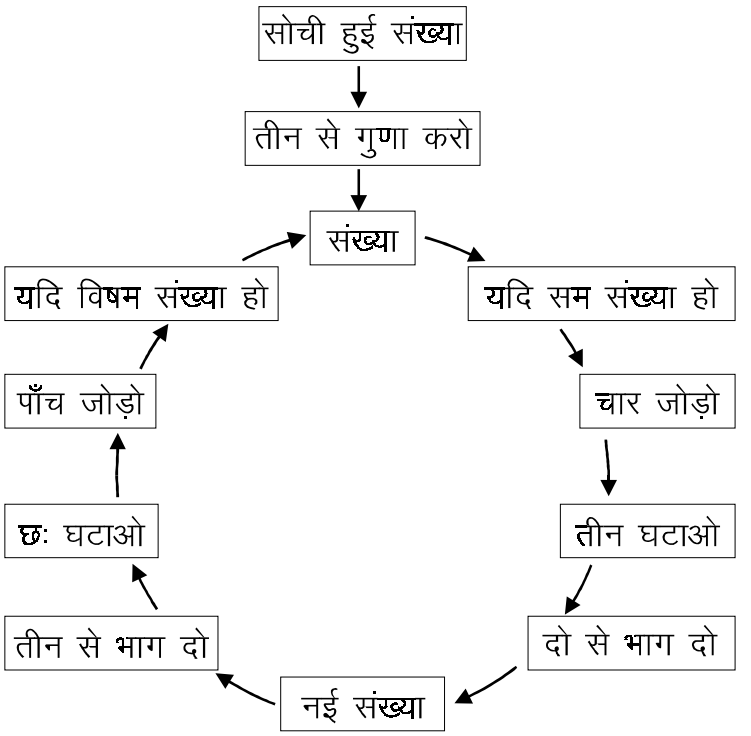

जोड़नें घटानें, गुणा–भाग करनें के लिए कहेगा (चित्र को देखें)। अन्त में प्राप्त संख्या नई संख्या होगी।

प्रशिक्षक के लिए :

१. शिक्षक / प्रशिक्षक चित्र में दी गई संख्या एवं जोड़–घटाना, गुणा–भाग के अलावा अन्य संख्याएं तथा जोड़–घटाना, गुणा–भाग की प्रक्रिया में उलट–फेर कर सकता है।

२. शिक्षक / प्रशिक्षक सामूहिक रूप से सम, विषम संख्याओं पर चर्चा करवाएगा।

सावधानियाँ :

१. शिक्षक / प्रशिक्षक यह ध्यान रखें कि जो कुछ भी वह निर्देश दे वह स्पष्ट हो तथा संदेह होने पर तुरन्त उसका समाधान करें।

गतिविधि संख्या १८

गतिविधि का नाम : **पहेलियाँ सुनाना/बूझना**
समय : १५ मिनट
दक्षताएं : सोचना–समझनें की शक्ति का विकास, भाषा विकास।

तरीका/विधि :

शिक्षक/प्रशिक्षक उच्च स्वर एवं स्पष्ट रूप से पहेली बोलेगा जिसका बच्चों/प्रतिभागियों को दो मिनट के अन्दर उत्तर देना होगा। जैसे –

एक पेड़ सरसौआ, उस पर बैठे चील न कौआ

(धुंआ)

पाँच अक्षर का मेरा नाम,
उल्टा सीधा एक समान।
दक्षिण भारत मेरा धाम,
करे केरला मुझे प्रणाम।

(मलयालम)

शिक्षक/प्रशिक्षक, बच्चों/प्रतिभागियों को भी पहेली बोलने के लिए आंमत्रित कर सकता है।

सावधानियाँ :

शिक्षक/प्रशिक्षक यह ध्यान रखें कि पहेली बच्चों/प्रतिभागियों के परिवेश से संबंधित एवं समझ के स्तर की हो।

गतिविधि संख्या १९

गतिविधि का नाम : **असम्बद्ध शब्दों से वाक्य बनाना।**
अनुमानित समय : २० मिनट
दक्षताएं : सोचनें एवं कल्पनाशीलता का विकास, सार्थक वाक्यों को बनाना।

तरीका/विधि :

शिक्षक/प्रशिक्षक १५–२० असम्बद्ध शब्दों को तीन–चार के समूह में बाँट कर चार्ट पर लिख लेगा। जैसे : (१) शेर, पहाड़, केला (२) कछुआ, पानी, ताला।

(१) शेर केला मुँह से दबाए हुए पहाड़ पर चढ़ा

(२) कछुआ ताले सहित पानी में गिर पड़ा।

शिक्षक/प्रशिक्षक बच्चों/प्रतिभागियों से उन शब्दों के आधार पर सार्थक वाक्य बनाने को कहेगा। और फिर एक–एक करके प्रतिभागी अपने अपने वाक्यों को कहेगें।

प्रशिक्षक के लिए :

१. शिक्षक/प्रशिक्षक प्रतिभागियों से भी असम्बद्ध शब्द पूछ सकता है।

२. वाक्य के अलावा असम्बद्ध शब्दों से कहानी भी बनवाई जा सकती है।

३. इस गतिविधि को भाषा एवं पर्यावरण से भी जोड़ा जा सकता है।

सावधानियाँ :

शिक्षक/प्रशिक्षक यह ध्यान रखें कि सभी प्रतिभागियों को बोलनें का मौका मिले।

गतिविधि संख्या २०

गतिविधि का नाम : **बने कहानी बात–बात में।**
(चित्र कार्ड/चित्र देखकर कहानी गढ़ना/अक्षर कार्ड/शब्द कार्ड से वाक्य/कहानी बनवाना।)

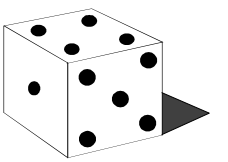

संभावित समय : २०–२५ मिनट

दक्षताएं : कल्पनाशीलता, भाषा–विकास, मानसिक क्रिया।

तरीका/विधि :

कक्षा को छोटी–छोटी टोलियों में बाँटकर हर टोली को दो पाँसे दे दिये जाएं। हर टोली में बच्चे बारी–बारी से पाँसे फेकें। पहला पांसा फेंकने पर आने वाले अंक को इकाई और दूसरी बार पांसा फेंकने पर आने वाले अंक को दहाई माना जायेगा। जिसके पास सबसे बड़ी संख्या जुटेगी। उसी बच्चे की जीत होगी।

गतिविधि संख्या २१

गतिविधि का नाम : **मैं कहाँ हूँ ?**

समय : १० मिनट

दक्षताएं : विश्लेषण करना, भाषा ज्ञान

तरीका/विधि :

शिक्षक/प्रशिक्षक चार्ट पर पहले से ही कुछ वाक्य तैयार करके रखेगा। वाक्य कुछ इस प्रकार के हों कि उन वाक्यों के शब्दों में कुछ अक्षर ऐसे हों जिनसे किसी फल पशु, पक्षी, शहर या घरेलू वस्तुओं के नाम लिखे जा सकें। जैसे –

१. मनोज ! चाय गरम करके लाना (केला)

उपर्युक्त प्रथम वाक्य में करके शब्द में "के" तथा लाना शब्द में "ला" अक्षर को लेकर केला (फल) लिखा जा सकता है।

शिक्षक/प्रशिक्षक, बच्चों/प्रतिभागियों से वाक्यों को ध्यान पूर्वक पढ़ने को कहें। और किन्हीं अक्षरों से फल, पशु, पक्षी, शहर या घरेलू वस्तुओं के नाम यदि बनते हों तो उन्हें बताने को कहें।

शिक्षक/प्रशिक्षक के लिए सुझाव :

१. इस गतिविधि को फलों के अलावा जानवर, पक्षी, शहरों, बर्तनों के नाम आदि से भी जोड़ा जा सकता है।

२. भाषा के अलावा इस गतिविधि को पर्यावरण एवं गणित से भी जोड़ा जा सकता है। जैसे :– आसमान में चाँद सबसे अच्छा है। (दस)

३. यह गतिविधि समूहों में भी करवाई जा सकती है।

सावधानियाँ :

प्रशिक्षक यह ध्यान रखें कि सभी बच्चे/प्रतिभाग करें।

गतिविधि संख्या २२

गतिविधि का नाम : **बोल–भाई कितने/बोल बहना कितने ?**

समय : १५–२० मिनट

दक्षताएं : एकाग्र होकर सुनना, गिनती/गिनने की समझ बढ़ाना, तेजी से निर्णय लेने की क्षमता, समूह बनाना।

तरीका/विधि :

१. सर्वप्रथम शिक्षक/प्रशिक्षक सभी बच्चों/प्रतिभागियों को एक गोल घेरे में खड़े होने का निर्देश देगा।

२. शिक्षक/प्रशिक्षक सभी बच्चों प्रतिभागियों से पूछेगा – 'बोल भाई/बहना कितने' ?

३. सभी बच्चों/प्रतिभागी एक स्वर में ''आप चाहें जितनें'' कहेगें।

४. इस पर शिक्षक/प्रशिक्षक जो भी संख्या कहेगा, बच्चों/प्रतिभागी उसी संख्या का समूह बनाएगा। उदाहरण के लिए – अगर शिक्षक/प्रशिक्षक ने ६ संख्या कही है तो सभी बच्चे/प्रतिभागी ६–६ का समूह बनाएंगें ।

५. यदि कुछ बच्चे/प्रतिभागी समूह न बना पाए अथवा किसी समूह में शिक्षक/प्रशिक्षक द्वारा कही गई संख्या से ज्यादा बच्चे/प्रतिभागी हैं तो उन्हें कक्ष के बीच में खड़ा करके बाकी बच्चे/प्रतिभागी मिलकर 'बोनस' दे सकते हैं।

शिक्षक/प्रशिक्षक के लिए सुझाव :

१ शिक्षक/प्रशिक्षक यह गतिविधि आधी, तीन–चौथाई और एक–चौथाई संख्याओं के साथ भी कर सकता है। ऐसा करके हम कठिनाई के स्तर को बढ़ा सकते हैं। उदाहरण के

लिए :– साढ़े पाँच का समूह बनाते समय हर समूह में पाँच बच्चे/प्रतिभागी खड़े और एक बच्चा/प्रतिभागी घुटनों के बल जमीन पर बैठा रहेगा।

(अ) सवा–दो का समूह बनाते समय, दो बच्चे/प्रतिभागी खड़े और एक जमीन पर बैठा होगा।

(ब) पौने छः का समूह बनाते समय पाँच बच्चे/प्रतिभागी खड़े और एक थोड़ा झुका हुआ खड़ा होगा

(स) इसी प्रकार से किसी समूह में दो आधे (घुटनों के बल बैठे हुए बच्चे/प्रतिभागी या चार जमीन पर बैठे हुए बच्चे/प्रतिभागी एक पूरी संख्या बनाते है।

सावधानियाँ :

१. नमूने के तौर पर शिक्षक/प्रशिक्षक इस गतिविधि को ३–४ बार पूरी, आधी, एक– चौथाई और तीन–चौथाई संख्याओं के साथ करके दिखाए।

२. शिक्षक/प्रशिक्षक कभी यह गतिविधि 'बोल भाई कितने' तथा कभी 'बोल बहना कितने' कह कर करें। जिससे की लिंग भेद की भावना न उपजे।

गतिविधि संख्या २३

गतिविधि का नाम : **रुचिकर फ्लैश कार्ड– के कमाल**

समय : ३० मिनट

दक्षतायें : कल्पनाशक्ति का विकास, विश्लेषण, संश्लेषण करना, प्रतियोगिता एवं प्रतिस्पर्धा।

तरीका :

१. सर्वप्रथम शिक्षक/प्रशिक्षक चार्ट शीट के पेपर्स को ३"x३" के वर्गाकार बच्चों /प्रतिभागियों की सहायता से फ्लैश कार्ड को काट कर तैयार करेंगे। इनर फ्लैश कार्ड्स को अधिक संख्या में २००–२५० की संख्या में काट कर रख लेंगे।

२. शिक्षक/प्रशिक्षक समस्त बच्चों/ प्रतिभागियों को सबसे पहले दो वर्गों में विभाजित कर देगा।

३. बच्चों/ प्रतिभागियो को अब अपनी पसंद के स्पष्ट चित्र जैसे पालतु जानवर, जंगली जानवर, घरेलू सामान, रसोई का सामान, आने जाने के साधन, वर्णमाला के अक्षर, शब्द, अंक (१ से १०० तक), फल, सब्जी, पेड़, पौधे, पशु–पक्षी, आदि के रंगीन चित्रों के कैची से काट कर गोंद से सफाई से चिपकाने के लिये कहेंगे। जब ३"x३" के वर्गाकार कार्ड में ये रंगीन चित्र चिपकायेंगे फ्लैश कार्ड तैयार हो जायेंगे।

४. बच्चों/प्रतिभागियों के स्तरानुकूल फ्लैश कार्ड का चुनाव कर शिक्षक/प्रशिक्षक बच्चों/प्रतिभागियों से इस प्रकार खेलेंगे। कक्षा/कक्ष के बीच में फैलाकर फ्लैश कार्ड रख दिये जायेंगे। उन्हें ध्यान पूर्वक देखने का निर्देश दिया जायेगा।

५. शिक्षक/प्रशिक्षक पुनः निर्देश देंगे कि इन कार्डों को ध्यान से देखकर सोच समझ कर मेरे पास कार्ड लाना है जो सबसे पहले देगा वह विजयी होगा। शिक्षक/प्रशिक्षक निर्देश देगा।

ऐसे जानवरों के चित्र लेकर आओ जो पालतू हों ?
या ऐसे जानवरों के चित्र लेकर आओं जो जंगली हों ?
ऐसे चित्र लेकर आओ जो जो सब्जियाँ हो ?
ऐसी संख्याएं लाओ जो ५०– ८० के बीच की हों। आदिआदि।

५. फिर शिक्षक/प्रशिक्षक बड़े समूह में पूरी कक्षा में प्रत्येक बच्चे/प्रतिभागी के कार्ड का मूल्यांकन बच्चों/प्रतिभागियों से करता है।

विशेष :

यह गतिविधि भाषा, गणित, पर्यावरणीय अध्ययन विषयों में जटिलता स्तर को बढ़कर या घटाकर कक्षा १–५ तक सभी कक्षाओं में करके देखिये।

गतिविधि संख्या २४

गतिविधि का नाम : **आँखों देखी**
संभावित समय : १५ मिनट
दक्षताएं : वस्तुओं को पहचानना, विश्लेषण करना, मानसिक शक्ति का विकास।

तरीका/विधि :

शिक्षक/प्रशिक्षक पहले से ही चार्ट पर बनी कुछ आकृतियाँ टाँगेगा। आकृतियाँ ऐसी हों जो किसी न किसी वस्तु को इंगित करती हो। जब सारे बच्चों/प्रतिभागी उन आकृतियों को अच्छी तरह देख लें तो प्रशिक्षक उनसे एक–एक करके उन वस्तुओं के बारे में पूछेगा जो उन्हे दिखाई दे रही है।

शिक्षक/प्रशिक्षक के लिए :

१. शिक्षक/प्रशिक्षक चाहे तो बच्चों/प्रतिभागियों से वस्तुओं के नाम उनकी कापियों पर लिखवा कर फिर उनसे एक–एक करके पूछ सकता है।
२. यह गतिविधि भाषा, पर्यावरण एवं अंकों से भी जोड़ी जा सकती है।

सावधानियाँ :

१. आकृतियाँ न ही बहुत सरल हों और न ही बहुत कठिन हों।
२. आकृतियाँ ऐसी हों जिनका पूर्वज्ञान बच्चों/प्रतिभागियों को हो।

गतिविधि संख्या २५

गतिविधि का नाम : **हाव–भाव से कविता**
अनुमानित समय : १० मिनट
दक्षताएं : उच्चारण में स्पष्टता/शुद्धता, स्वर–सामंजस्य, आवाज में उतार–चढ़ाव, चेहरे के हाव–भाव, अन्य शारीरिक अंगों की चाल–ढाल/संचालन

तरीका/विधि :

शिक्षक/प्रशिक्षक कविता का चयन उपलब्ध कविता संग्रह में से करें तथा कविता को पूरे हाव–भाव के साथ प्रस्तुत करें एवं बच्चों/प्रतिभागियों से करवाएं।

सावधानी :

१. हाव–भाव से कविता गाने का पूर्वाभ्यास जरूर कर लें।
२. कविता का चुनाव गतिविधि बैंक से करें, अथवा अपने स्तर पर रोचक कविता लें।

गतिविधि संख्या २६

गतिविधि का नाम : **बनाओ कविता**
संभावित समय : १५–२० मिनट
दक्षताएं : कल्पनाशीलता, लय बैठाना, नए शब्दों की रचना करना, आवाज में उतार–चढ़ाव, भाषा विकास।

तरीका/विधि :

१. शिक्षक/प्रशिक्षक कविता की शरुआत स्वयं करेगा और उस पंक्ति को चार्ट पर लिखेगा। जैसे :– ''एक था लड्डू बहुत रसीला'' ––––––
२. शिक्षक/प्रशिक्षक बच्चों/प्रतिभागियों से एक–एक कर आगे की पंक्तियाँ पूछता जाएगा।

प्रशिक्षक के लिए :

१. शिक्षक/प्रशिक्षक चाहें तो इस गतिविधि को समूहों में करवाकर आपस में प्रतियोगिता करवा सकता है।
२. इस गतिविधि को कहानी के रूप में भी प्रस्तुत किया जा सकता है।
३. शिक्षक/प्रशिक्षक यह ध्यान रखें कि कविता/कहानी में नया पन हो न कि परम्परागत हो।

सावधानियाँ :

१. शिक्षक/प्रशिक्षक यह ध्यान रखे कि कविता में लय हो।
२. प्रतिभागियों द्वारा कही गई पंक्तियों में आपस में ताल–मेल हो।
३. सभी प्रतिभाग करें।

गतिविधि संख्या २७

गतिविधि का नाम : अधूरे चित्र पूरे करना
समय : ३०मिनट

कल्पनाशीलता, सोच–समझ का विकास करना।

बच्चों/प्रतिभागियों को छोटे–छोटे समूहों में बाँट दें। अब कार्ड पर अधूरे बनें चित्रों को छोटे समूहों में दे दें। समूह के सभी बच्चे/प्रतिभागी मिलकर आपस में चर्चा करेंगें और चित्र को पूरा करेंगें। इसके बाद बड़े समूह में प्रस्तुति होगी। सभी समूह अपने चित्रों को पूरा करनें का औचित्य अपने तर्क द्वारा प्रस्तुत करेंगें। अधूरे चित्र इस प्रकार के होने चाहिए कि उनमें कुछ घटा–बढ़ा या इधर–उधर कर देने पर कोई स्पष्ट चित्र बन जाए। जैसे :–

१. गाय के चित्र में पूँछ, कान न होना, उसके बछड़े के स्थान पर किसी अन्य जानवर का बच्चा दूध पीते हुए।
२. लोमड़ी का किसी पेड़ को देखकर ऊपर उछलना। परन्तु उस पर अंगूर नहीं है।

गतिविधि संख्या २८

गतिविधि का नाम : गप्प और फुर्र
समय : ३० मिनट

सुनने, एकाग्र होने, तत्काल निर्णय लेने, अन्तर करनें (पहचान) और उसके अनुसार कार्य करनें की क्षमता का विकास।

बच्चों/प्रतिभागियों को बड़े समूह में गोले में बैठा देंगें। शिक्षक/प्रशिक्षक, बच्चों/प्रतिभागियों को निर्देश देगा कि अपने बाएं हाथ की हथेली पर दाएं हाथ को ऐसे रखें जैसे कुछ खा रहें हों। अब शिक्षक/प्रशिक्षक कुछ वस्तुओं के नाम जल्दी–जल्दी बोलेंगें और स्वयं भी खानें की मुद्रा में हाथ को मुँह की ओर लाएगें। जब कोई बच्चों/प्रतिभागी न खानें वाले वस्तु का नाम आने पर भी खानें का संकेत करेगा तब उसे समूह से अलग कर दिया जाएगा। ऐसे बच्चों/प्रतिभागियों की संख्या बढ़ जाने पर सामूहिक रूप से 'बोनस' दिया जाएगा। गतिविधि के दौरान खाने का संकेत और गप्प शब्द की आवाज साथ–साथ आनी चाहिए।

इसी प्रकार फुर्र की गतिविधि भी कराई जाएगी। इसमें बच्चा/प्रतिभागी हाथ से उड़ने का संकेत हवा में करते हुए फुर्र कहेंगें।

विशेष संकेत :

'गप्प और फुर्र' गतिविधि एक साथ मिलाकर कराई जा सकती है। परन्तु इसके लिए अधिक सतर्कता/सावधानी की जरूरत होगी।

गतिविधि संख्या २९

गतिविधि का नाम : **गेंद मारे टप्पा**
सामग्री : गेंद
समय : १० मिनट

तरीका :

सबसे पहले शिक्षक बच्चों को अर्द्ध गोले में बिठाए। उसके बाद गेंद लेकर बच्चों के सामने गेंद से टप्पे लगाए और बच्चों से बूझने को कहे कि गेंद के कितने टप्पे पड़े। जो बच्चा सबसे पहले सही उत्तर दे दे, वह आगे आकर गेंद से टप्पे लगाए। बाकी सभी बच्चे ध्यान से देखें और बूझने की कोशिश करें कि गेंद से कितने टप्पे पड़े। अब वह बच्चा (जो कि गेंद से टप्पे लगा रहा है) किसी भी बच्चे के पास जाकर उत्तर देने को कह सकता है। सही उत्तर देने वाला बच्चा दुबारा वही क्रिया को दुहरायेगा और यदि बच्चों को अंकों की पहचान हैं तो उत्तर देने वाले बच्चे को उतने ही अंक श्यामपट्ट पर लिखने को कहा जा सकता है।

गतिविधि संख्या ३०

गतिविधि का नाम : **तुम कहाँ के ? हम कहाँ के ?**
समय : ३० मिनट

दक्षताएँ– सामान्य ज्ञान में वृद्धि, बोलने में झिझक दूर होना, सुनकर सही उच्चारण सीखना

इसे बड़े समूह में कराया जा सकता है। बच्चे/प्रतिभागी बोलनें में झिझक दूर करने, तथा तथा एक–दूसरे के बारे में नजदीक से जानने के लिए अपना नाम, मुहल्ला, गांव, जिला आदि के बारे में बताएगा। यही क्रिया क्रम से अन्य सभी बच्चे/प्रतिभागी सुनकर दोहरायेंगे। बच्चों के स्तर के अनुसार इसके कठिनाई स्तर को कम या ज्यादा किया जा सकता है। जैसे–कक्षा एक या दो के बच्चे अपना नाम, पिता भाई या बहन का नाम भी बता सकते है।

विशेष :

१. यह गतिविधि २०–२०/३०–३० की दो टोलियों में भी कराई जा सकती है।
२. ये टोली आमने–सामने खड़ी हो तथा बारी–बारी से प्रत्येक टोली के एक–एक सदस्य अपना नाम आदि बताएंगें।

गतिविधि संख्या ३१

गतिविधि का नाम : **हवा में अक्षर लिखना और पहचानना**
समय : ३०–४० मिनट

दक्षताएँ – अक्षरों की आकृति की समझ, अक्षरों की पहचान

यह गतिविधि दो टोली बनाकर कराई जाए। एक ही कक्षा के बच्चों से दो टोली बनाकर आमने सामने खड़ा करें। एक टोली का पहला बच्चा किसी अक्षर या गिनती को हवा में उंगली से लिखेगा। दूसरी टोली का पहला बच्चा उस अक्षर या गिनती को पहचान कर बताएगा। यही क्रम बारी बारी से तब तक चलेगा, जब तक दोनों टोली के बच्चों की बारी पूरी न हो जाए।

विशेष :

अक्षर लिखना तथा पहचान करना लगातार एक ही टोली से न कराया जाए। यह दोनों टोलियों से बारी–बारी से कराया जाए।

गतिविधि संख्या ३२

गतिविधि का नाम : **स्मरण खेल (वस्तुएं याद करके लिखना)**
समय : ३०–४० मिनट

दक्षताएँ – वस्तुओं की पहचान करना।

: यह गतिविधि कक्षा तीन, चार और पांच के बच्चों से कराई जा सकती है। यह किसी एक कक्षा की सामूहिक गतिविधि हो सकती है। जिसमें लगभग १५–२० मिनट का समय लगेगा। बच्चों/प्रतिभागियों को ५ या १० अलग–अलग वस्तुए दिखाई जाय। ये वस्तुएं बच्चों के लिए पूर्व परिचित हों। अब बच्चे/प्रतिभागी इन वस्तुओं के नाम याद करके अपनी कापी पर लिखेंगें।

कक्षा तीन के बच्चे वस्तुओं के नाम लिख पाएंगें। कक्षा चार के बच्चे उन्हें याद करके मौखिक बता सकेंगें और कक्षा पांच के बच्चे यह भी बता सकते हैं कि वस्तुएं किस क्रम में दिखाई गई है। इस तरह इस गतिविधि के कठिनाई का स्तर बढ़ाकर इसमें विभेदन क्षमता लाई जा सकती है।

विशेष :

यह गतिविधि बहुकक्षा शिक्षण में भी उपयोगी है। कक्षा तीन,चार तथा पांच के बच्चों से एक साथ उपरोक्त काम कराया जा सकता है। वस्तुओं को एक साथ रखकर भी दिखाया जा सकता है।

गतिविधि संख्या ३३

गतिविधि का नाम : **सही जोड़े बनाना**
समय : १५ मिनट

दक्षताएँ – वर्गीकृत करने की क्षमता, समूह बनाना नए शब्दों का ज्ञान

कक्षा तीन, चार और पांच के बच्चों के लिए यह गतिविधि उपयोगी है। कक्षा के बच्चों को कुछ शब्द लिखाएं जांए जैसे – कुर्सी, माता, लोटा, दिन, सुई, पिता, मेज, रात, बाल्टी, धागा, दाना, गप्प, पानी, शप्प आदि।

बच्चे इन शब्दों में से छाँटकर दो–दो का जोड़ा बनाएं जैसे : गप्प–शप्प, दाना–पानी, सुई–धागा इत्यादि।

गतिविधि संख्या ३४

तिविधि का नाम : **शब्दों पर एक वाक्य बोलना**
समय : ३० मिनट
दक्षताएं : भाषा संबंधी लिखित और मौखिक अभिव्यक्ति का विकास।

यह गतिविधि एक से पाँच तक किसी भी कक्षा के लिए उपयोगी है। इसे कक्षा के अन्दर ही कराया जा सकता है। इसमें शिक्षक/प्रशिक्षक एक शब्द बोलकर किसी बच्चे/प्रतिभागी से इस पर एक वाक्य बनाकर बोलनें को कहेगा। यह वाक्य छोटा किन्तु सार्थक होना चाहिए। यही क्रम अन्त तक चलता रहेगा।

विशेष :

एक साथ कई कक्षाओं को साथ लेकर भी यह गतिविधि कराई जा सकती है। जैसे – छोटी कक्षा का बच्चा अक्षर बताए, अगली कक्षा का उससे बना शब्द बोलें। इसके बाद अगली कक्षा का बच्चा उस शब्द पर वाक्य बनाएं तथा सबसे बड़ी कक्षा का बच्चा उसे श्यामपट्ट पर लिखे।

गतिविधि संख्या ३५

गतिविधि का नाम : **अन्तहीन कहानी**
समय : २० मिनट

यह गतिविधि १०–१२ वर्ष की आयु के बच्चों के लिए उपयोगी है। इसमें शिक्षक/प्रशिक्षक एक वाक्य कहकर कहानी का आरम्भ करेगा। फिर इसी वाक्य के आगे कक्षा के अन्य सभी बच्चे

अपना–अपना वाक्य इस प्रकार जोड़ते जांएगें कि एक सार्थक कहानी बनती जाए। कोशिश यह हो कि कहानी काफी लम्बी बनें ताकि कक्षा के ज्यादा से ज्यादा बच्चे इसमें अपने वाक्य जोड़ सकें। यदि कहानी जल्दी खत्म हो जाए या आगे न बढ़ पाए तो नया वाक्य बोलकर नई कहानी बनवाई जाए। अच्छा हो कि बोले गए वाक्यों को क्रमशः श्यामपट्ट पर लिखा जाए। अपना वाक्य लिखा देखकर बच्चे/प्रतिभागी उत्साहित होंगें।

दक्षताएं :

बातचीत का अवसर, तर्कपूर्ण वाक्य सोचना, नए शब्दों का ज्ञान, रचनात्मक प्रवृत्ति का विकास।

गतिविधि संख्या ३६

गतिविधि का नाम : **कितने शब्द मेरे ? कितने शब्द तेरे ?**
समय : अनिश्चित

दक्षताएं :

ध्यान केन्द्रित करना, शब्द पढ़नें की अधिक आवृत्ति, समूहीकरण, विभेदीकरण, अक्षर और मात्राओं का ज्ञान, गिनने का अभ्यास।

तरीका :

यह गतिविधि दो बच्चे आपस में कर सकते है। इसमें पुस्तक के किसी भाग को खोलकर दोनों पृष्ठों के शब्दों को अलग–अलग गिना जाता है। इस गतिविधि को कई तरह से बदलकर खेला जा सकता है। जैसे :– ऐसे शब्द ही गिनें जाएं जिसमें आधे अक्षर न हों या आधे अक्षर अवश्य हो या कोई एक विशेष मात्रा हो या विशेष अक्षर जरूर हो। उन्ही शब्दों को गिना जाए जो एक विशेष अक्षर से शुरू या खत्म होते हों या यह देखा जा सकता है कि एक से अधिक बार कौन–कौन से शब्द आए हैं और कितनी बार।

विशेष :

इस गतिविधि में एक बदलाव यह हो सकता है कि :–

(१) शब्दों को छूकर गिना जाए या
(२) बिना छुए केवल देखकर ही गिना जाए। इसे समूह में भी कराया जा सकता है। कठिनाई का स्तर बढ़ानें के लिए सिर्फ उन्हीं शब्दों पर जिन्हें गिना गया हैया जो नही गिने गए हैं उन पर सार्थक वाक्य/कहानी बनाने की कोशिश की जाए।

गतिविधि संख्या ३७

गतिविधि का नाम : **बेमेल शब्दों से कहानी बनाना**
समय : ३० मिनट
दक्षताएं : कल्पनाशक्ति का विकास, भाषा की समझ, कहानी के तत्वों का ज्ञान।

तरीका :

इसे १०–१२ वर्ष आयु वर्ग के बच्चे कर सकते है। प्रशिक्षक/शिक्षक श्यामपट्ट या चार्ट पर कुछ असम्बद्ध शब्दों के समूह को लिखेगा, जैसे :

(कपड़ा, चाय, पेन, पहलवान) (चम्मच, सड़क, कुत्ता)
(सुतली, आसमान, पलंग, सियार) (चाकू , कुल्हड़, पेड़)

प्रतिभागी/बच्चे इन शब्दों का प्रयोग करते हुए एक छोटी कहानी बनाकर लिखेंगें। बच्चों के आयुवर्ग के अनुसार इन शब्दों का चयन किया जाना चाहिए। इन कहानियों को कक्षा में पढ़नें का अवसर भी दिया जाय।

गतिविधि संख्या ३८

गतिविधि का नाम : **गेंद फेंको–गेंद पकड़ो–एक चीज का नाम बताओ**
समय : २० मिनट
दक्षताएं : सोचने की क्षमता, स्मरण शक्ति, ध्यान केन्द्रित करना।

तरीका :

यह गतिविधि किसी भी कक्षा के सभी बच्चों को गोल घेरे में बैठाकर (कक्षा में या बाहर) कराई जा सकती है। शिक्षक/प्रशिक्षक पुराने कागज से एक गेंद बना लेगा। अब इस कागज की गेंद को गोल दायरें में बैठे किसी बच्चे की ओर फेकेगा। वह बच्चा गेंद पकड़ेगा और एक पशु, पक्षी स्थान या किसी वस्तु का नाम बोलेगा। अब वह गेंद को किसी और साथी की ओर फेंक देगा। वह बच्चा गेंद लपककर एक अन्य पशु का नाम बोलेगा। इसी प्रकार यह खेल चलता रहेगा। किसी पशु का नाम दुबारा नहीं लिया जाएगा। ऐसा करना 'फाउल' माना जाए।

विशेष :

बदलाव के लिए फल, फूल, स्थान का नाम, एक अक्षर से शुरू होने वाले शब्द आदि भी बोले जा सकते हैं। यदि चाहें तो कठिनाई का स्तर बढ़ानें के लिए यह निर्देश दें कि एक बार जन्तु का नाम लिया जाए तो दूसरा बच्चा किसी पेड़ का या ऐसे ही कुछ और चीज का नाम लेगा। तीसरा बच्चा फिर जन्तु का और चौथा बच्चा फिर किसी पेड़ का नाम बोलेगा।

गतिविधि संख्या ३९

गतिविधि का नाम : **नाम बोलकर शब्द जोड़ो**
समय : २० मिनट

दक्षताएं :

सोचने की क्षमता, स्मरणशक्ति, ध्यान केन्द्रित करना ताकि दुहराव (फाउल) से बचा जा सके।

तरीका :

यह गतिविधि किसी भी कक्षा के सारे बच्चों को गोल दायरें में बिठाकर कराई जा सकती है। घेरे में बैठे किसी बच्चे से यह गतिविधि शुरू हो सकती है। उसे अपना नाम बताना है और नाम के पहले अक्षर से शुरू होने वाली किसी मिठाई, फल, फूल, जानवर, शहर, स्थान, व्यक्ति, दोस्त, घरेलू सामान का नाम भी बताना है – जैसे : रमेश को अपना नाम बतानें के बाद रसगुल्ला या रहमत उल्लाह (व्यक्ति का नाम) कहना होगा। रमेश के पड़ोस का बच्चा नरेश अपना नाम बताकर नानखटाई या नीलम कहेगा। इसी प्रकार सभी बच्चे अपनी बारी पर यही करेंगें।

गतिविधि संख्या ४०

गतिविधि का नाम : **गेंद पकड़ो, संख्या बोलो**
समय : २० मिनट

दक्षताएं :

तत्परता, स्मरण शक्ति, गणितीय कौशल, ध्यान केन्द्रित करना, भाषा ज्ञान।

तरीका :

यह गतिविधि किसी भी कक्षा के लिए उपयोगी है। इसमें कई बदलाव करके भाषा, गणित, पर्यावरणीय अध्ययन से जोड़ा जा सकता है।

बच्चे/प्रतिभागी एक गोल दायरे में बैठे। शिक्षक/प्रशिक्षक कागज की एक गेंद बना लें। फिर गेंद किसी के पास फेंकनें से पहले निर्देश दें कि एक दी गई संख्या में ५, ६ या ७ (या कुछ भी) जोड़कर गेंद को दूसरे के पास फेंक दें। जैसे – प्रशिक्षक ने कहा ''तीन'' और गेंद फेंकी स्नेहलता के पास। तो अब स्नेहलता को तीन में ५, ६, या सात जोड़कर गेंद किसी और के पास फेंक देना है। अगर स्नेहलता बोली आठ, तो दूसरा व्यक्ति गेंद फेंकनें से पहले बोलेगा तेरह।

भाषा गतिविधि में गेंद फेंकनें से पहले एक शब्द बोला जाएगा। दूसरा व्यक्ति अंतिम या प्रथम

अक्षर से शुरू एक और शब्द बोलेगा। इसी प्रकार शहर, नदी, गाँव, फल, फूल, पशु–पक्षी आदि का नाम बोलकर इसे पर्यावरणीय अध्ययन से जोड़ा जा सकता है।

विशेष :

कठिनाई का स्तर बढ़ानें के लिए एक साथ संख्या तथा शब्द दोनों ही बोले जा सकते है। जैसे – स्नेहलता ने 'आठ' बोलने के साथ तोता भी कहा तो दूसरा व्यक्ति तेरह के साथ 'तीतर' या 'कौवा' भी कहेगा।

गतिविधि संख्या ४१

गतिविधि का नाम : **अंकों की श्रृंखला**
समय : १५ मिनट
दक्षताएं : पहाड़ा, गुणा।

तरीका :

सभी बच्चे/प्रतिभागी बड़े समूह में गोलाई में बैठेंगें। जिस बच्चे/प्रतिभागी से शुरू करना हो, उसको एक अंक दे दिया जाएगा। वह बच्चा/प्रतिभागी उस अंक के साथ अपना क्रमांक भी बोलेगा। जैसे – उसे ७ अंक दिया गया है तो वह बोलेगा – ७ – १ – ७ अगला बच्चा/प्रतिभागी बोलेगा – ७ – २ –१४ यही क्रम तब तक जारी रहेगा जब तक श्रृंखला टूट न जाए। श्रृंखला जिस बच्चे/प्रतिभागी पर टूटेगी उसे गोले के बीच में बैठा दिया जाएगा। पुनः अगले क्रमांक से नए रूप में (पूर्व की भाँति) श्रृंखला शुरू की जाएगी। अंक बच्चों/प्रतिभागी के स्तर के अनुरूप चुने जा सकते है।

गतिविधि संख्या ४२

गतिविधि का नाम : **अंक–झपट्टा**
समय : २० मिनट

दक्षताएं :

गणितीय संक्रियाओं का अभ्यास, तत्परता, शारीरिक चपलता, सोच–समझ का विकास।

तरीका :

१०–१० बच्चों/प्रतिभागियों के दो समूह बनाएंगें। समूह के बीच में एक गोला चॉक/अन्य किसी वस्तु से बनाया जाएगा। प्रतिभागियों के दोनों समूह को गोले के पास अलग–अलग खड़ा करेंगें। बच्चों/प्रतिभागियों के क्रमांक निश्चित कर दिए जाएंगें। अब गोले में १ से ५० तक के

अंक कार्डो पर लिखकर रख देंगें। दोनो समूह के एक ही क्रमांक के दो प्रतिभागी बुलाने पर आकर गोले के चारो ओर आमने–सामने चक्कर लगाएंगें/निर्देश मिलनें पर उचित कार्ड शीघ्रता से उठाकर अपने स्थान पर लौट जाएंगें। जो यह कार्य पहले कर लेगा, उस समूह को एक अंक दिया जाएगा। जैसे – यदि निर्देश मिला १३–७ तो प्रतिभागी ६ अंक लिखा हुआ कार्ड शीघ्रता से उठाकर अपने समूह में जाने का प्रयास करेगा। यही क्रम दोनों समूह के सभी क्रमांकों की बारी आने तक चलेगा।

बचे हुए प्रतिभागीयों से पुनः नए समूह बनाकर गतिविधि जारी रहेगी।

निर्देशों द्वारा कठिनाई का स्तर घटाया–बढ़ाया जा सकता है।

गतिविधि संख्या ४३

गतिविधि का नाम : **बहुउद्देशीय गतिविधि**

दक्षताएं : हस्त–कौशलशुद्धता, समूह में कार्य करनें की क्षमता, निरीक्षण तथा वर्गीकरण क्षमता, स्मरणशक्ति का विकास।

तरीका :

बच्चों/प्रतिभागियों के चार समूह बनाकर और प्रत्येक समूह को फुलस्केप कागज की दो–दो पन्ने देकर निर्देश दिया जाए कि इन कागजों को फाड़कर ४० बराबर आकार के टुकड़े बनाएं। शिक्षक/प्रशिक्षक उसकी जाँच करें फिर इन टुकडों पर ४० विभिन्न वस्तुओं (जीव–जन्तु, पक्षी, रसोई तथा घरेलू सामान आदि) के नाम लिखें जाएं।

अब शिक्षक/प्रशिक्षक चारों समूह को निर्देश देगा कि वे अपने कागज के टुकड़ों को सामने फैलाकर रखें। अब शिक्षक/प्रशिक्षक के निर्देश पर इन समूहों के बच्चे/प्रतिभागी सामने फैले टुकड़ो में से वर्गीकरण के अनुसार कुछ टुकड़े शीघ्रता से उठाकर शिक्षक/प्रशिक्षक को दिखाएंगें। जैसे – प्रशिक्षक ने कहा कि '' धातु की बनी चीजें''। तो समूह के प्रतिभागी उन्ही पर्चियों को उठाएंगें जिन पर धातु से बनी चीजों के नाम लिखे हों। सभी पर्चियाँ इकट्ठा कर लिए जाने पर प्रशिक्षक स्कोर बोर्ड की गणना से यह तय करेगा कि किस समूह की क्या उपलब्धि रही ?

प्रशिक्षक के लिए निर्देश :

१. पर्चियाँ लेते समय यह ध्यान रखें कि समूहवार किस क्रम में पर्चियों को दिया गया। पहले, दूसरे, तीसरे तथा चौथे क्रम पर देने वालों को क्रमशः ४, ३, २, १ अंक दिया जाए।

२ . एक निर्देश देने तथा पर्चियाँ इकट्ठा करनें के बाद यह भी देखें कि प्रतिभागियों ने निर्देश का सही पालन किया है। गलती करनें वाले समूह को शून्य अंक दें।

३. थोड़ा फेर–बदल करके इस गतिविधि में भाषा गणित तथा पर्यावरणीय अध्ययन को जोड़ा जा सकता है।

गतिविधि संख्या ४४

गतिविधि का नाम : तम्बोला

६	१४	७	८	२	६
२५	१	२	७	१६	३
४	२६	५	४	३	२
१७	२३	१३	३	१०	३०
६	२	११	६	६	६
११	३३	३	२	१८	३६

दक्षताएं :

गणित की विभिन्न संक्रियाओं का ज्ञान, निरीक्षण क्षमता, तार्किक दृष्टिकोण।

तरीका :

शिक्षक/प्रशिक्षक बच्चों/प्रतिभागियों से ६x६ = ३६ खानें अपनी पुस्तिका पर बनानें तथा अपनी इच्छानुसार एक से सौ के बीच संख्याएं भरनें को कहेगा। अब यह निर्देश भी देगा कि तीन संख्याओं के ऐसे समूह को ढूढें जो किसी गणितीय संक्रिया से संबंधित हों। किसी भी संख्या को दुबारा न प्रयोग करें। ये तीनों संख्याएं सीधे, तिरछे या एल (L) आकार में हो सकती है। जैसे– तिरछे आकार में ६–१ = ५ तथा सीधे आकार में ११+६ = १७ एवं एल आकार में २५+४ = २६ इसमें कुल १२ हल हो सकते है।

गतिविधि संख्या ४५

गतिविधि का नाम : खेलें खेल अंक बिन्दी का करे मेल

सामग्री : अंक कार्ड न बिन्दी कार्ड (१ से १० तक) उतने ही सेट जितने कि समूह हैं।

तरीका :

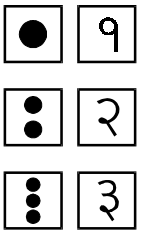

सबसे पहले शिक्षक बिन्दी कार्ड और अंक कार्ड को मिला दें। उसके बाद शिक्षक बच्चों के समूह बनवायें। प्रत्येक समूह में ये मिले हुए कार्ड दे दें। बच्चों से कहें कि इन कार्डों में से अंक कार्ड और बिन्दी कार्ड के जोड़े बनायें जैसे कि एक बिन्दी कार्ड से वह ऐसा अंक कार्ड मिलाएं जिस पर एक अंक लिखा हो जैसा कि नीचे चित्र में दिखाया गया हैं

यदि १० से आगे सिखाना है तो अंको और कार्डों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।

गतिविधि संख्या ४६

गतिविधि का नाम : **नाक की लम्बाई कितनी**
समय : १० मिनट

दक्षताएं :

१. तुरन्त सोचकर सवाल का जवाब देना।
२. नए–नए सवाल बनाना।
३. ऐसे सवाल बनाना जो सोचने को बाध्य करें।
४. अनुमान लगानें की क्षमता बढ़ाना।

उपयोग :

जब समूह में एकरसता के कारण ऊब पैदा हो गई हो तब यह गतिविधि कराई जा सकती है। मूलतः यह एक जगानेवाली गतिविधि है।

विधि/तरीका :

शिक्षक/प्रशिक्षक/सुगमकर्ता बच्चों/प्रतिभागियों के बीच घूमकर उनसे इस तरह के (आकस्मिक) प्रश्न करता चलेगा जिससे वे सोचने को बाध्य हों। प्रश्न उन चीजों के बारें में होंगें – आमतौर पर लोग जिन पर गौर नहीं करते। जैसे ''तुम्हारी नाक कितनी लम्बी है ?'' ''तुम्हारे घर की ऊँचाई कितनी है ?'' ''आपकी कमीज पर कितने बटन है ?'' आदि–आदि। प्रतिभागियों के लिए जरूरी होगा कि वे सवाल का जवाब तुरन्त दें। एक व्यक्ति के सवाल खत्म हो जाने पर दूसरा यह गतिविधि शुरू करा सकता है।

सावधानी :

१. साधारणतया जिन चीजों पर लोग गौर नहीं करते उन्हीं से संबंधित सवाल पूछे जाएं। इससे गतिविधि में रोचकता रहेगी।
२. सवाल बनाते समय उम्र/आयु स्तर का ध्यान रखा जाए।
३. प्रश्नों के उत्तर तुरन्त देने होगें। गतिविधि भले ही सोचने वाली हो पर सोचनेका समय नही देना है।

सम्भावनाएं :

यह एक ढाँचा है जिसमें हम नए–नए सवालों के जरिए – अलग–अलग विषयों को छू सकते/समेट सकते है।

गतिविधि संख्या ४७

गतिविधि का नाम : **"ठोस, द्रव, गैस"**
समय : १० मिनट संभावित
दक्षताएं : ठोस, द्रव, गैस के कणों के बीच की दूरी की तुलनात्मक समझ और उनकी संरचना का आभास।

उपयोग :

यह ठोस, द्रव, गैस से प्रथम परिचय कराने वाली गतिविधि नहीं है। बल्कि यह कक्षा में बताई गई–उनके कणों की संरचना को स्पष्ट करने के लिये अभ्यास रूप में कराई जायेगी। यह अवधारणा की पुष्टि से संबंधित गतिविधि है।

विधि और प्रभाव : तरीका १ :

१. बच्चा/प्रतिभागी गोल घेरे में अथवा बेतरतीब खड़े हो। बेहतर हो कि वे बेतरतीब ही खड़े हो। शिक्षक/प्रतिभागीके "ठोस" कहते ही वे छोटे–छोटे समूहों में कंधे से कंधा सटा कर खड़े हो जायेंगे।
२. इस क्रिया से यह एहसास जायेगा कि ठोस पदार्थ के कणों के बीच की दूरी बहुत कम होती है या वे एक दूसरे से बिल्कुल सटे रहते है।

गतिविधि /ठोस – द्रव– गैस :

शिक्षक/प्रशिक्षक/सुगमकर्त्ता के द्रव कहते ही समूह के लोग थोड़ा अलग–अलग हो जायेंगे और एक दूसरे का हाथ पकड़ कर खड़े हो जायेंगे।

१. इस क्रिया से यह एहसास जायेगा कि द्रव के कणों की आपसी दूरी ठोस से कुछ ज्यादा होती है। ''गैस'' कहते ही समूह के लोग एक दूसरे से एकदम अलग हो जायेंगे। न कोई किसी से सटा रहेगा न एक–दूसरे का हाथ पकड़े रहेंगे। न किसी का शरीर अन्य को छुएगा।
२. इस क्रिया से समूह में 'गैस' के कणों के बीच की दूरी सर्वाधिक होने (उनकी विरलता) का एहसास जायेगा।

तरीका २ :

इसी गतिविधि को शिक्षक/प्रशिक्षक – ठोस–द्रव या गैस पदार्थों के नाम लेकर भी करवा सकते है। जैसे– किताब कहने पर प्रतिभागी कंधे से कंधा सटा कर खड़े होंगे। क्योंकि वह ठोस है। 'तेल' कहने पर वे एक दूसरे से थोड़ा अलग होकर एक दूसरे का हाथ थाम लेंगे। क्योंकि वह द्रव है और हवा या धुंआ कहने पर एकदम बिखर जायेगे।

सावधानियां :

१. सुगमकर्ता/शिक्षक/प्रशिक्षक ठोस, द्रव और गैस पदार्थो के नामों को – सीधे–सपाट क्रम में न बोले। बल्कि हर बार क्रम बदलकर और अचानक बोले।

२. गतिविधि दिन में दो या तीन बार से अधिक न कराई जाय। न ही इसे रोज दोहरायें। वरना इसका मजा जाता रहेगा।

३. यदि बच्चों के ठोस, द्रव, गैस की आणविक संरचना का पूर्वज्ञान है तो इस गतिविधि को बच्चों द्वारा सफलता पूर्वक कराया जाना उचित होगा।

अन्य संभावानाएं :

यह गतिविधि एक ढांचा है

१. इसे थोड़ा बदल कर बच्चों/प्रतिभागियों को गोल घेरे में घुमाते हुए हम गणित में इकाई–दहाई–सैकड़ा हजार के रूप में विकसित कर सकते है। इकाई में सब लोग अलग–अलग और दहाई में – दो–दो मिल कर खड़े होंगे। सैकड़े में तीन–तीन की कतार में खड़े होंगे व हजार कहने पर चार–चार की कतार में इसमें गोल घेरे में या गड्ड–मड्ड रूप से खड़े नहीं होगें।

२. भाषा में यह इस प्रकार होगी। जैसे शिक्षक/प्रशिक्षक के 'नीलकमल' कहते ही प्रतिभागी ५–५ की कतार बना लेंगे। वैसे ही 'गड़बड़' कहने पर ४–४ की कतार में कहीं भी इकट्ठा हो जायेंगे।

३. आप भी इस ढांचे के आधार पर कुछ गतिविधियां बना डालें।

गतिविधि संख्या ४८

गतिविधि का नाम : **"चिन्हों का कमाल" और नई संख्या**

समय : १५ मिनट

तरीका :

प्रशिक्षक प्रतिभागियों को ५ x ५ खानों का वर्ग बनाने को कहेंगे। उन खानों में निश्चित संख्या को बोल कर भरायेंगे। (प्रशिक्षक चार्ट पर पहले से इस प्रकार का तम्बोला बनाकर रखेंगे। पुनः गणित के चारों चिन्ह +, –, x, ÷) का प्रयोग एक क्रम में करते हुये एक सीधे के पांचों अंकों को लेकर उनका हल निकालने को कहेंगे। प्रत्येक प्रतिभागी को कम से कम १० हल निकालने का प्रशिक्षक निर्देश देगा। जैसे –

१८	२१	३८	१६	१२
२१	३८	१६	१२	१८
३८	१६	१२	१८	२१
१६	१२	१८	२१	३८
१२	१८	२१	३८	१६

क्रमानुसार गतिविधि करायें अथवा जिस क्रम में आप चाहें गणितीय संक्रियाएं करावें।

गणित के चिन्ह प्रयोग क्रम में – +, x, ÷। पहले भाग करो जो आये उसमें गुणा करो, फिर जो आये उसमें जोड़ों फिर घटाओ– नई संख्या बताओं

= १८+२१–३८x१६÷१२

= १८+२१–३८x१६÷१२

= १८+२१ – ३८x४÷३

= १८+२१ – १५२÷३

= ३९ – १५२÷३

= ११७ – १५२÷३

= ११७ – १५२÷३ उत्तर

विशेष संकेत :

१. शिक्षक इस प्रकार की क्रिया कराने के पूर्व स्वयं उसे हल करके प्रक्रिया व उसके उत्तर से परिचित रहें।

२. प्रतिभागी छोटे–छोटे समूहों में इसे कर सकते हैं।

३. गतिविधि कराने के बाद प्राप्त उत्तरों एवं हल न कर पाने की स्थिति पर चर्चा अवश्य करायें।

गतिविधि संख्या ४९

गतिविधि का नाम : कौन कितना आगे ?

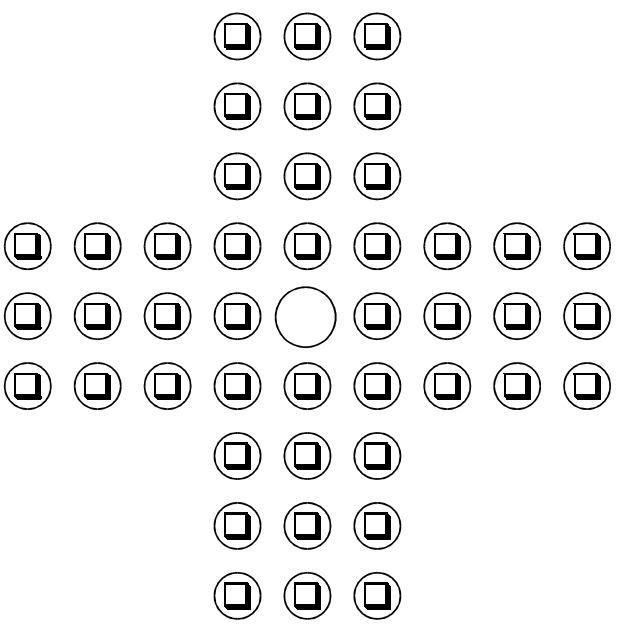

अनुमानित समय : १० मिनट या ज्यादा या फिर १० मिनट से कम में भी हो सकता है।

दक्षताएं :

समस्या समाधान, निर्णय लेना, योजनाबद्ध प्रयास, दिमागी कसरत, प्रतियोगिता, विश्लेषण आदि।

गतिविधि का लक्ष्य :

यदि गतिविधि/खेल की समाप्ति पर १ आकृति बचे ——— प्रखर बुद्धि
यदि गतिविधि/खेल की समाप्ति पर २ आकृतियाँ बचें ——— तीव्र बुद्धि
यदि गतिविधि/खेल की समाप्ति पर ३ आकृतियाँ बचें ——— कुशाग्र बुद्धि
यदि गतिविधि/खेल की समाप्ति पर ४ आकृतियाँ बचें ——— बुद्धिमान
यदि गतिविधि/खेल की समाप्ति पर ५ आकृतियाँ बचें ——— चतुर
यदि गतिविधि/खेल की समाप्ति पर ६ आकृतियाँ बचें ——— सामान्य बुद्धि
यदि गतिविधि/खेल की समाप्ति पर ७ आकृतियाँ बचें ——— अभ्यास की जरूरत
यदि गतिविधि/खेल की समाप्ति पर ८ आकृतियाँ बचें ——— ठीक किया
यदि गतिविधि/खेल की समाप्ति पर ९ आकृतियाँ बचें ——— कमजोर
यदि गतिविधि/खेल की समाप्ति पर १० आकृतियाँ बचें ——— बहुत कमजोर

तरीका :

यह गतिविधि ४४ काँच की गोलियों/कंकड़ों/चौकोर/ गुटकों या किन्हीं एक ही आकार की वस्तुओं से की जा सकती है। सर्वप्रथम ४४ एक आकृति की वस्तुओं को ऊपर की आकृति में जमा कर रख लेंगे। केवल बीचो–बीच एक स्थान छोड़ दिया जाना अनिवार्य है। अब खेल दिमागी कसरत के लिये तैयार है। हर व्यक्ति अलग–अलग खेल सकता है। दो या तीन लोग मिलकर प्रयास कर सकते हैं। ध्यान रहे कि आकृति को पार करने के बाद उसके बाद वाले खाली स्थान पर ही जा सकते हैं किन्तु गतिविधि एक व्यक्ति ही करेगा। दूसरा व्यक्ति/समूह निरीक्षण करेगा कि नियमानुसार खेल खेला जा रहा है अथवा नहीं और जिसे पार कर रहें हो उस आकृति को ही उठा सकते हैं तिरछे मार्ग में नहीं लांघ सकते हैं। जो बच्चा/प्रतिभागी कम से कम आकृतियाँ छोड़ेगा। वह उतना ही बुद्धिमान होगा। जैसे –

वर्तमान स्थिति में ◯ ———————— D, B, F, G के बीच/निकट स्थान रिक्त है

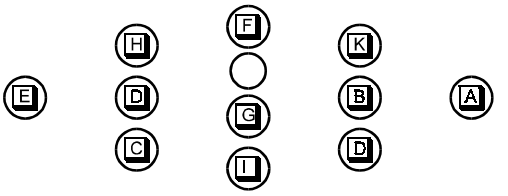

इस स्थिति में (A) स्थान की गोली (B) को लांघकर खाली स्थान पर जा सकती है। और नियमानुसार ठ को उठाना होगा अथवा (I) स्थान की गोली (G) को लांघ कर खाली जगह जा सकती है। इसी प्रकार (E) – (D) को लांघकर खाली जगह पहुँच सकती है।

गतिविधि संख्या ५०

गतिविधि का नाम : **चूहे को पकड़ो**
समय : १० से १५ मिनट
उद्देश्य : बच्चों को संख्याओं का ज्ञान कराना

तरीका :

कक्षा के सभी बच्चों/प्रतिभागियों को एक गोल घेरे में खड़ो होने के लिए कहा जाता है। किसी एक बच्चे/प्रतिभागी को केन्द्र में आकर चूहा बनने को कहा जाता है। घेरे में खड़े सभी बच्चे/प्रतिभागी चूहे दानी की तरह होते हैं। चूहा चूहेदानी से भागने का प्रयास करता है। सभी बच्चे/प्रतिभागी मिलकर एक स्वर में गाते हैं।

एक दो तीन चार .....
हमने पकड़ा चूहा जिन्दा,
वो बिल्कुल लाचार।
पाँच छः सात .....
आठ नौ दस,
छोड़ दो उसे बस।

दस कहने पर गोल घेरा थोड़े समय के लिए एक तरफ से खोल दिया जाता है। यदि चूहा निकल पाता है। तो चूहेदानी में दूसरा नया चूहा बुलाया जाता है। यदि नही निकल पाता है। तो वही चूहा बाहर निकलने का प्रयास करता है। इस तरह यह गतिविधि प्रायः सभी बच्चों/प्रतिभागियों के साथ दोहरायी जाती है।

गतिविधि संख्या ५१

गतिविधि का नाम : **संख्या दौड़**
समय : १५ मिनट
उद्देश्य : संख्याओं का ज्ञान

तरीका :

कक्षा के विद्यार्थियों को पाँच टोलियों में बाँटकर यह गतिविधि करायी जाती है। प्रत्येक टोली का एक टोली नायक बनाया जाता है। जो टोली के सामने खड़ा होता है। प्रत्येक टोली के सामने दस से पन्द्रह फुट की दूरी पर कुछ ठोस वस्तुएं जैसे – पत्थरों के टुकड़े, गोलियाँ, गुटके आदि पर्याप्त संख्या में रख दिये जाते हैं। शिक्षक टोली नायकों को गुप्त रूप से एक संख्या बताता है। उस संख्या को सभी टोली नायक एक साथ घोषित कर देते हैं। अब प्रत्येक टोली के सबसे आगे खड़े हुए बच्चे को संख्या सुनकर उतनी संख्या में वस्तुओं को गिनकर अपना हाथ ऊपर उठाना होता

है। जिस टोली से बच्चा सबसे पहले हाथ उठा देता है, उस टोली को एक अंक मिल जाता है। इस तरह बच्चे एक–एक करके पंक्ति में पीछे आकर खड़े होते जाते हैं। और प्रत्येक टोली के सभी बच्चों को बारी–बारी से अवसर मिलता है।

सावधानी :

शिक्षक जो भी संख्या टोली नायकों को बताएगा, उसे बच्चे न सुन सकें।

गतिविधि संख्या ५२

गतिविधि का नाम : **जल्दी बैठो**
समय : १० मिनट
उद्देश्य : संख्याओं का ज्ञान

तरीका :

शिक्षक अथवा संचालक ४" x ४" के कार्ड्स में ० से २०, २० से ५०, ५० से १०० तक की संख्याएं स्पष्ट एवं मोटे अंको में लिखेगा। प्रत्येक बच्चे को एक कार्ड दिया जाएगा। एक गोल घेरे में सभी बच्चे निम्नांकित गीत को गाते हुए धीरे – धीरे गोलाई में दौड़ेंगे।

खेलेंगे भई खेलेंगे,
संख्या खेल खेलेंगे।
बैठेंगे भई, बैठेंगे,
संख्यानुसार बैठेंगे।

संचालक एक संख्या बोलता है। उसे सुनकर जिन–जिन बच्चों के पास उस संख्या के कार्ड होते हैं, वे बैठ जाते हैं शेष पूर्व की तरह मन्द गति से दौड़ते रहते हैं।

सावधानियाँ :

० से २०, २० से ५०, ५० से १०० तक न्यूनतम चार या पाँच कार्ड बनाने चाहिए।

गतिविधि संख्या ५३

गतिविधि का नाम : **दौड़ लगाओ**
समय : ५ मिनट
उद्देश्य : जोड़ व घटाने का अभ्यास कराना

तरीका :

शिक्षक श्यामपट पर दो वृत्ताकार आकृतियाँ बनाएगा। जिनमें बच्चों से अपनी इच्छानुसार शून्य से लेकर नौ तक अंक लिखने को कहेगा। ये अंक दोहराये जा सकते हैं। इन दोनों वृत्ताकार आकृतियों के केन्द्र में +५ तथा –२ लिखेगा। अब शिक्षक बच्चों को स्वयं जोड़ एवं घटाने की

प्रक्रिया करने को कहेगा। जो विद्यार्थी प्रत्येक अंक को ठीक से जोड़ अथवा घटाकर लिखेगा, उसको दस–दस अंक मिलेंगे। दो विद्यार्थी आपस में एक दूसरे का मूल्यांकन करेंगे।

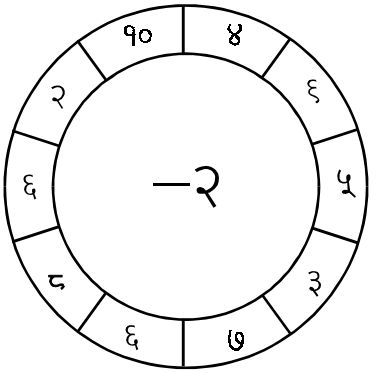

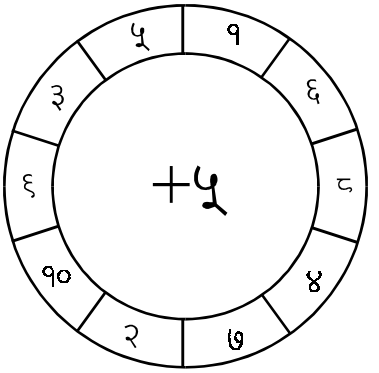

गतिविधि संख्या ५४

गतिविधि का नाम : **संख्या छिपाओ**
समय : ५ मिनट
उद्देश्य : जोड़ना तथा घटाना

तरीका :

कक्षा में सभी बच्चे एक गोल घेरे में बैठ जाते हैं बीच में एक बाक्स में शून्य से दस के बीच संख्या के कार्ड्स पलट कर रख दिये जाते हैं तथा बीच में ठोस वस्तुओं जैसे कंकड़, इमली के बीज, राजमा, लकड़ी के गुटके आदि का ढेर रख दिया जाता है। किसी एक बच्चे को घेरे से बाहर जाने के लिए कहा जाता है। बाकी समूह मिलकर तय करता है कि कौन सी दो संख्याएं इन्हें दी जाएं। उन्हें छोड़कर बाकी संख्याओं को बाक्स से निकाल लिया जाता है। फिर जो बच्चा बाहर गया है उसे अन्दर बुला लिया जाता है। और उसे बाक्स खोलकर चुपचाप उतनी ही वस्तुओं को बाक्स में छिपाने के लिए कहा जाता है। गतिविधि का मूल्यांकन बच्चे आपस में करते हैं। बारी–बारी से सभी बच्चे बाहर जाकर संख्या छिपाओ गतिविधि कर सकते हैं।

गतिविधि संख्या ५५

गतिविधि का नाम : **खुल जा सिमसिम**
समय : १५ मिनट
उद्देश्य : छोटी व बड़ी संख्या तथा स्थानीय मान

तरीका :

ये गतिविधि कक्षा के बच्चों को दो टोलियों में बाँटकर करायी जाती है। प्रत्येक टोली को पन्द्रह से बीस कार्ड दे दिये जाते हैं। जिनमें शून्य से सौ तक की संख्याएं स्पष्ट अंकों में लिखी रहती हैं। प्रत्येक टोली के बच्चे अपने–अपने कार्ड्स को पलट कर रखते हैं। बारी–बारी से प्रत्येक दल से एक बच्चा अपने सामने रखे बन्द कार्ड को शिक्षक के "खुल जा सिमसिम" कहने पर खोलकर देखता है। फिर संख्या को बताता है। इन दोनों टोलियों की संख्याओं में जिसकी संख्या बड़ी होती है, उस टोली को एक अंक दिया जाता है। बाद में दोनों टोलियों के अंक जोड़कर टोली को विजयी घोषित किया जाता है।

गतिविधि संख्या ५६

गतिविधि का नाम : **सीढ़ी चढ़ो**
समय : १० मिनट
उद्देश्य : गुणा का अभ्यास कराना

तरीका :

ये गतिविधि कक्षा के बच्चों को दो टोलियों में बाँटकर करायी जाती है। शिक्षक श्यामपट पर दो निम्नांकित सीढ़ियाँ बनाता है। जिस पर बच्चों से अपनी इच्छा के अनुसार शून्य से नौ के बीच अंको को लिखने के लिए कहता है। अब बारी–बारी से बच्चे आते हैं। और सीढ़ी में लिखे अंको का एक–एक करके गुणा करते हुए सीढ़ी चढ़ते हैं। प्रत्येक बार शिक्षक गुणे का अंक बदल देता है।

२
८
५
७
०
१
६
४
३

X ३

(अध्यापक इस अंक को प्रत्येक बार बदलेगा।)

गतिविधि संख्या ५७

गतिविधि का नाम : **गणित की कहानी**
समय : ५ मिनट
उद्देश्य : बच्चों को गुणा करने का अभ्यास कराना तथा सृजनात्मक चिन्तन के लिए प्रेरित करना।

तरीका :

कक्षा में इस गतिविधि से पूर्व शिक्षक एक से सौ के मध्य संख्याओं के फ्लैश–कार्ड्स तैयार करेगा। ये संख्याएं ३, ४, ५, ६ के गुणांक में रखी जानी चाहिए। इन कार्ड्स को अधिक संख्या में बनाया जाता है। सभी कार्ड्स को कक्षा के बीचो–बीच पलट कर रख दिया जाता है। शिक्षक प्रत्येक बच्चे से कम से तीन या चार कार्ड उठाने के लिए कहता है। फिर शिक्षक एक उदाहरण देकर प्रत्येक बच्चे से एक गणित की कहानी अपने कार्ड्स की संख्याओं के आधार पर बनाने को कहता है। शिक्षक उदाहरण देता है। जैसे – मुझे (शिक्षक को) २, ४, ८ संख्या वाले कार्ड वाले कार्ड मिले। मैने कहानी बनायी।

दो घोसले थे। जिनमें चार–चार अण्डे थे, कुल अण्डे आठ थे।

सावधानी :

शिक्षक को कार्ड्स बनाते समय गुणांक में २, ३, ४, ५ के गुणांक पर आधारित संख्याओं को लिखना चाहिए। जिससे बच्चों का गुणा को अभ्यास हो सके।

गतिविधि संख्या ५८

गतिविधि का नाम : **जितना चाहो–उतना सीखो**
(पाँसे/डाइस के कमाल)
समय : २० से २५ मिनट तक
उद्देश्य : १. बच्चों को वर्णमाला, शब्द रचना, मात्राओं का ज्ञान कराना।
२. बच्चों को अंको तथा संख्याओं का ज्ञान कराना।
३. बच्चों को अंको का स्थानीयमान का ज्ञान कराना।

तरीका :

इस गतिविधि को दो या तीन बच्चों के लघु समूहों में किया जाता है। कक्षा के सभी बच्चों को दो–दो या तीन–तीन के छोटे–छोटे समूहों मे विभाजित कर लिया जाता है। उन्हें तीन–तीन पाँसे दे दिये जाते हैं। इन पाँसों में प्रत्येक फलक में अलग–अलग स्वर, व्यंजन, मात्राएं या संख्या तथा गणितीय चिन्ह (+, –, x , ÷, = , >, <) अदि अंकित होती है। अब इन पाँसों को एक साथ मुट्ठी में लेकर एक बच्चे द्वारा नीचे गिराया जाता है। दूसरा बच्चा अवलोकन एवं मूल्यांकन करता

है। प्रारम्भ में दो पाँसों की सहायता से तथा बाद में तीन या चार पाँसों से गतिविधि को और जटिल किया जा सकता है।

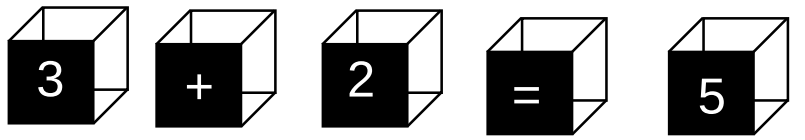

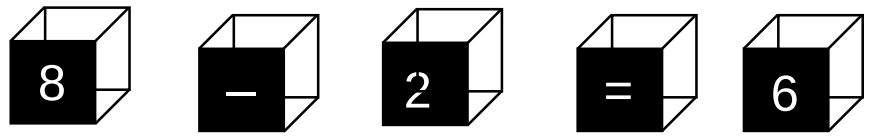

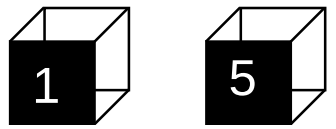

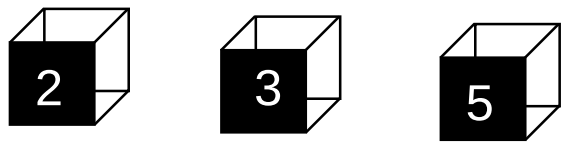

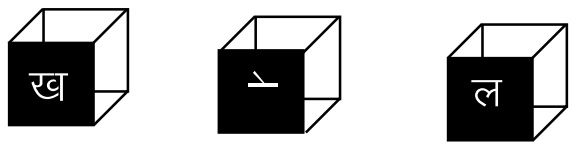

नोट :

पाँसों के द्वारा गणित के जोड़, घटाने, गुणा, भाग, छोटी, बड़ी संख्या तथा भाषा में अमात्रिक/मात्रिक शब्द निर्माण आदि का अभ्यास बच्चों को शिक्षक करवा सकते हैं।

गतिविधि संख्या ५६

गतिविधि का नाम : **शब्दों–अंको का लूडो**
समय : २० से २५ मिनट तक
उद्देश्य : १. बच्चों को शब्दों तथा विलोम शब्दों का ज्ञान कराना।
२. १ से १०० तक की संख्याओं का ज्ञान कराना।

तरीका :

इस गतिविधि को तीन या चार बच्चों के समूहों में कराया जा सकता है। इस गतिविधि को कराने के लिए १० x १० कुल १०० खानों का एक "सौ खाना" बनाते हैं। प्रत्येक खाने के बायें ओर अंक लिख दिया जाता है। कुछ खानों में कुछ शब्द लिखे जाते हैं। जिनके बिलोम शब्द भी किसी–किसी खाने में लिखे जाते हैं। प्रत्येक बच्चे को एक अलग रंग की गोटी (ठोस वस्तु) दे दी जाती है। पाँसे के प्रत्येक फलक में अलग–अलग १, २, ३, ४, ५, ६ अंक लिख दिये जाते हैं। प्रत्येक बच्चा "सौ खाना" पर अपना पाँसा फेंकता है। जो अंक आता है, उतने खाने वह आगे बढ़ता है। चलते–चलते यदि किसी बच्चे की गोट किसी शब्द वाले खाने में आ जाती है। तो उसे उसके विलोम शब्द पर जाना होता है। जो बच्चा अपने समूह में सबसे पहले १०० वें खाने पर पहुँच जाता है, विजयी कहलाता है।

१००	९९ जीवन	९८	९७ बड़ा	९६	९५ सच	९४	९३ मजबूत	९२	९१ सुख
८१	८२ उजाला	८३	८४	८५ छोटा	८६	८७	८८	८९	९०
८० दिन	७९	७८	७७ दुख	७६	७५	७४ आगे	७३	७२	७१ कुरुप
६१	६२	६३ रात	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०
६० ज्यादा	५९	५८	५७	५६ आकाश	५५	५४	५३	५२ पीछे	५१
४१	४२	४३	४४ गरम	४५	४६	४७ अंधेरा	४८	४९	५० कम
४० ठंडा	३९	३८	३७	३६	३५ धरती	३४	३३	३२	३१
२१	२२	२३	२४ झूठ	२५	२६	२७	२८	२९	३०
२०	१९ काला	१८	१७	१६	१५ मरण	१४	१३	१२	११ कमजोर
१	२	३	४	५ गोरा	६	७	८ सुन्दर	९	१०

गतिविधि संख्या ६०

गतिविधि का नाम : **जोड़ या घटा**
सामग्री : एक पासा अंकों वाला (१ से ६ अंकों का)

तरीका :

यह गतिविधि छोटे समूह में, दो से छः बच्चों तक आसानी से की जा सकती हैं। प्रत्येक बच्चा अपनी–अपनी कापी में या स्लेट पर नीचे दिये गये अनुसार ग्रिड बना लें तथा दो बार पासा फेकें। दोनों बार पांसे के ऊपरी भाग पर आये संख्याओं का या तो वह जोड़ करें या घटा। जैसा भी वह चाहे करे। परिणाम जिस संख्यांक में आये उस संख्यांक को अपने ग्रिड में काट दे। इसके बाद अगले बच्चे की बारी आयेगी। वह भी इसी तरह से कटेगा। जिस बच्चे के ग्रिड के संख्यांक सबसे पहले कट जायेंगे वह विजयी माना जायेगा।

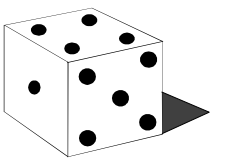

०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२

गतिविधि संख्या ६१

गतिविधि का नाम : **भ्रमण**
अनुमानित समय : १ घंटा
दक्षताएं : निरीक्षण/अवलोकन द्वारा सीखना, स्वयं अनुभव कर सीखना, सभी इंद्रियों का प्रयोग, शारीरिक कसरत एवं मानसिक सजगता।

तरीका/विधि :

शिक्षक/प्रशिक्षक परिवेश में से उपलब्धता के आधार पर बच्चों/प्रतिभागियों को किसी पेड़, तालाब, टीला, नदी, पहाड़ आदि का भ्रमण कराएं। अवलोकन पश्चात् भ्रमण के समय देखी, सुनी और महसूस की गई चीजों पर चर्चा कराएं। 'सीखनें की प्रक्रिया' में भ्रमण की भूमिका को चर्चा के दौरान स्पष्ट रूप से उभारें। उदाहरण के लिए :– यदि किसी तालाब का भ्रमण किया गया है तो निम्न बिन्दुओं पर चर्चा कर ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। जैसे :–

१. तालाब की रचना/बनावट।
२. नदी, झील, समुद्र से तालाब किस प्रकार अलग/भिन्न है।
३. तालाब के आस–पास का मौसम, पेड़–पौधे, पंछी, फूल।
४. तालाब के पानी में रह रहे पौधे, जीव–जन्तु आदि।

गतिविधि संख्या ६२

गतिविधि का नाम : **मेरी मदद करेगा कौन**
अनुमानित समय : २० से २५ मिनट
दक्षताएं : संख्याओं का ज्ञान तथा जोड़ने का अभ्यास

तरीका/विधि :

कक्षा के सभी बच्चों को दो समूह में बाँटकर शून्य से नौ तक की संख्या कार्ड दे दिये जाते हैं। दोनों समूह के बच्चे अब इस खेल को खेलने के लिए तैयार हैं। दोनों समूह के बच्चे बारी–बारी से दूसरे समूह के बच्चों से प्रश्न करते हैं। जैसे – मैं हूँ सात (७), बारह (१२) बनना चाहता/चाहती हूँ। मेरी मदद करेगा कौन ?

दूसरे समूह से वह बच्चा जिसके पास पाँच (५) अंक का कार्ड है, बोलेगा मैं हूँ (५), मैं तेरी मदद करूँगा/करूँगी। फिर उसी समूह से अगला बच्चा अपने अंक को ध्यान में रखकर प्रश्न पूछेगा। जैसे – मैं हूँ पाँच (५), तेरह (१३) बनना चाहता हूँ/चाहती हूँ, मेरी मदद करेगा कौन।

इसी तरह से दूसरा समूह प्रश्न करेगा तथा पहले समूह के बच्चे अब उनके जवाब देंगे। इस तरह से गतिविधि का क्रम चलता रहेगा।

गतिविधि संख्या ६३

गतिविधि का नाम : **वर्गीकरण**
सामगी : बच्चों की पेन्सिल

तरीका :

सबसे पहले अध्यापक बच्चों से कहें कि सभी बच्चे अपनी–अपनी पेन्सिलें निकाल कर उसे दें। अब अध्यापक उन सभी पेन्सिलों को इकट्ठा करके सभी छोटी–बड़ी पेन्सिलों को मिला लें और बच्चो के बीच में उनका ढेर लगायें। यदि बच्चे अधिक हों तो उनके समूह बनवा लिये जायें। अब हर समूह को कुछ पेन्सिलें दे दी जायें। इन पेन्सिलों को बांटते हुए शिक्षक इस बात का ध्यान रखें कि हर समूह को छोटी बड़ी सभी तरह की पेन्सिलें मिलें। अब अध्यापक बच्चों से कहें कि सभी बच्चे इनमें से बराबर लम्बाई की एक जैसे पेंसिलें निकालें। ऐसा करने में बच्चों को विशेष आनन्द आयेगा साथ ही उन्हें छोटे–बड़े की जानकारी प्राप्त होगी। इसी गतिविधि द्वारा उन्हें गिनती भी सिखाई जा सकती है। इस गतिविधि को अध्यापक टूटी चूड़ियों के टुकड़ों, तिनकों के मिश्रण द्वारा भी करा सकते हैं।

गतिविधि संख्या ६४

गतिविधि का नाम : **रंग बिरंगे ढक्कन**
सामग्री : अलग–अलग रंग के बोतल के ढक्कन

विधि :

अध्यापक तीन अलग–अलग रंगों के ढक्कन लेकर प्रत्येक बच्चे को देगा। वह स्वयं इनको लाल, नीला और पीला क्रम में रखते हुए बच्चों को भी वैसा करने को कहेगा। ऐसा करने से उनमें क्रम की समझ बनेगी। रंगों के क्रम को बदल कर अभ्यास कराया जा सकता है।
इस प्रकार की गतिविधि को माचिस की तीलियों की आकृतियां बनवाकर करवाया जा सकता है।

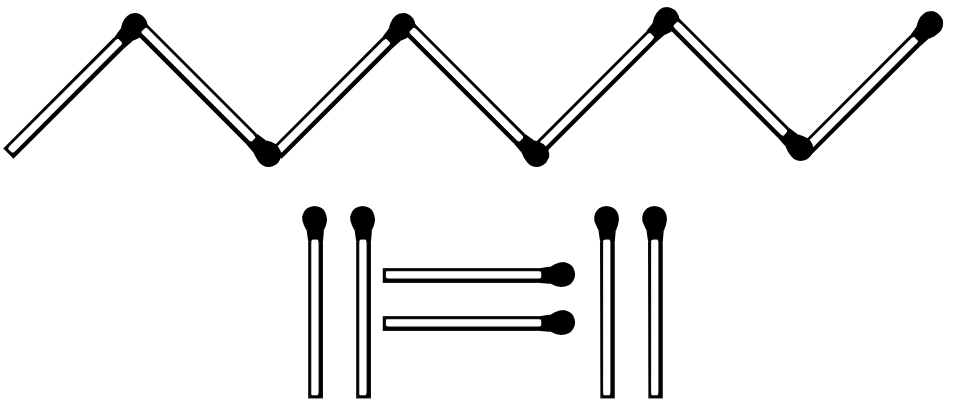

गतिविधि संख्या ६५

गतिविधि का नाम : **कौन जीता कौन हारा**
सामगी : पासा, खेलबोर्ड

तरीका :

चार बच्चों को आमने–सामने बिठाकर गेमकार्ड बोर्ड को उक बीच में रख दें प्रत्येक बच्चे को अलग–अलग रंग की सात–सात गोटियां दे दें। किसी एक बच्चे को पासा फेंकने पर पासे के ऊपरी भाग पर तीन बिन्दियाँ आई। वह खेल बोर्ड पर अपने सामने वाले खानों में देखेगा कि तीन बिन्दियां कहां हैं ? अपनी एक गोटी उस पर रखेगा तथा इसके नीचे लिखे गये अंक की पहचान करेगा। इसके बाद अगले बच्चे की बारी आयेगी और खेल आगे बढ़ेगा। अगर किसी बच्चे के पासा फेंकने पर ऐसी बिन्दी आ जाती है। जिस पर पहले ही गोटी रखी जा चुकी है। तो उसकी बारी समाप्त हो जायेगी उस पर वह गोटी नहीं रखेगा। जिस बच्चे ने सबसे पहले सभी सात अंकों पर गोटियां रख दीं, वह विजयी माना जायेगा। आगे चलकर शिक्षक यही गतिविधि ऐसे खेल बोर्ड से करवा

सकता है जिसमें बिन्दयों के स्थान पर केवल अंक हों। आप इस तरह के कई और खेल बोर्ड बना सकते हैं, जरा सोचें ?

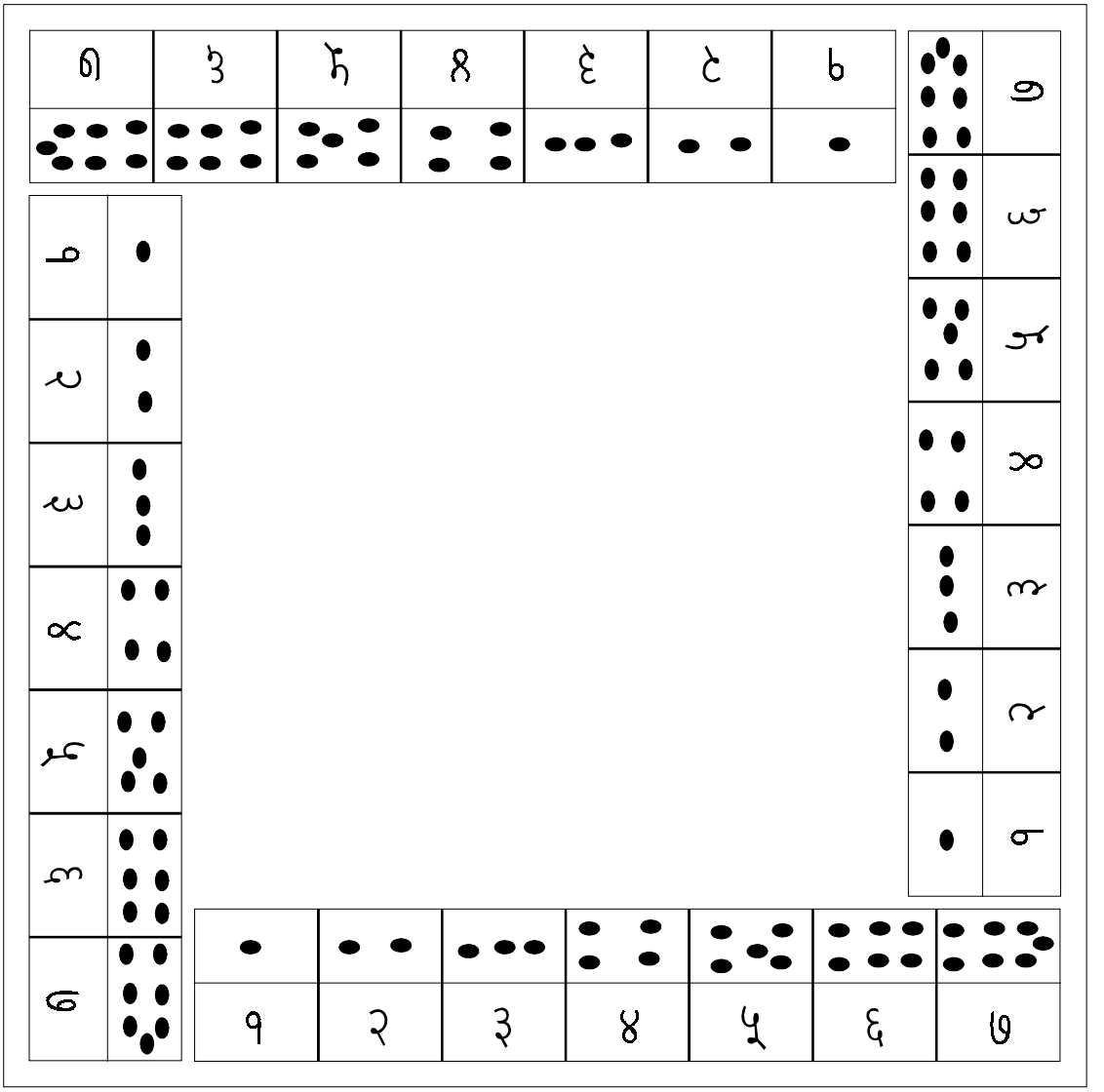

गतिवधि संख्या ६६

गतिविधि का नाम : **डाकिया आया**

सामग्री : जोड़–घटा के कार्ड

तरीका :

एक बच्चे के थेले में दस तक की संख्याओं के जोड़–घटा के कार्ड डालें। जैसे – ५+२, ६–३, ६+१ आदि। यह एक बच्चा डाकिया बने। कक्षा के शेष बच्चे बारी–बारी से उससे पूछें कि क्या मेरा

कोई पत्र आया है ? डाकिया बच्चे का नाम पूछें। असली नाम कि जगह बच्चा अपना नाम १ से १० तक के संख्याओं के नाम पर बतायें। उदाहरण के लिये एक बच्चा कहता हूँ कि मेरा नाम सात है। तब डाकिया उसे ऐसा कार्ड दे। जिसमें संख्याओं का जोड़ या घटा सात बनता हो। वह उसे ६–२, ५+२ आदि में से एक कार्ड देगा। सभी बच्चे अपना–अपना कार्ड देखेंगे कि उनका कार्ड सही है या गलत। इसके बाद पूछें कि कितने बच्चों को सही कार्ड मिले हैं, कितनों को गलत। इस तरह से अलग–अलग बच्चे को डाकिया बनाकर खेल आगे बढ़ायें।

गतिवधि संख्या ६७

गतिविधि का नाम : **आकृति पैटर्न**

सामग्री : श्यामपट, चाक और प्रत्येक बच्चे के लिए स्लेट और बत्ती या कापी ओर पेन्सिल

विधि :

अध्यापक एक निश्चित रूप में सरल आकृतियां बनायेगा। बच्चे भी अपनी–अपनी स्लेटों पर वैसी ही आकृति बनायेंगे। जैसे– अध्यापक खानों में एक सीधी लाइन में एक और शून्य बनायेगा।

१	०	१	?

इस प्रकार की आकृति बनाकर अध्यापक बच्चों से पूछेगा तो बच्चे थोड़ी देर सोचने के बाद बता देंगे कि इसके बाद क्या आयेगा। इसी प्रकार से पहले सरल और बाद में जटिल आकृतियों की ओर बच्चों को ले जाया सकता हूँ।

दक्षताएं :
१. बच्चों की सृजनात्मक शक्ति का विकास।
२. बच्चों की रुचि में वृद्धि।

गतिविधि संख्या ६८

गतिविधि का नाम : **कितने लड़के कितनी लड़कियाँ ?**

दक्षताएं : कम और अधिक की समझ विकसित करना।

तरीका :

अध्यापक सबसे पहले सभी बच्चों को इकट्ठा कर लेगा। (लड़के–लड़कियों दोनों को)। फिर अध्यापक पूछेगा कि बताओ बच्चों कक्षा में लड़के अधिक हैं या लड़कियां। अब बच्चों के सामने शायद यह समस्या आयेगी कि शायद वह ठीक से गिनकर नहीं बता पायें। तब बच्चों से कहा जायेगा कि वह एक लड़की एक लड़का के क्रम में खड़े हो जाये। इस तरह से करते हुए कुछ लड़के या लड़कियां बच जायेंगे। अब अध्यापक बच्चों से पूछे कि बताओ कौन अधिक हैं ? लड़के या लड़कियां।

गतिविधि संख्या ६९

गतिविधि का नाम : **"बिन्दियां कम और अधिक"**
सामग्री : १ से लेकर ६ तक बिन्दी कार्ड
दक्षता : उतार चढ़ाव (आरोही क्रम व अवरोही क्रम) की जानकारी प्रदान करना।

तरीका :

अध्यापक सभी–बिन्दी कार्डों को अच्छी तरह से मिला लें। बच्चों को समूह में बांट दें। सभी समूहों को मिले हुए बिन्दी कार्ड दे दें। सभी बच्चों से कहें कि बिन्दी कार्डों का क्रम इस तरह से लगायें कि पहले एक बिन्दी फिर दो बिन्दी। इसी तरह आखिर में सबसे अधिक बिन्दियों वाला कार्ड आए। इसी तरह उतरते क्रम को दिखाने के लिये सबसे अधिक बिन्दी वाला कार्ड रखे फिर उससे कम और अन्त में सबसे कम बिन्दी वाला कार्ड रखें।

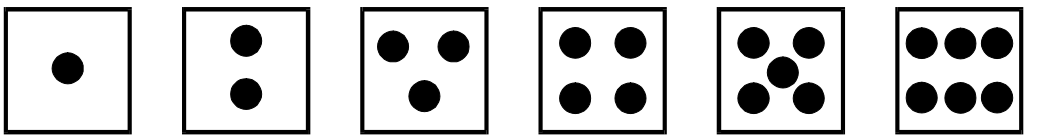

गतिविधि संख्या ७०

गतिविधि का नाम : **"चित्रों द्वारा स्थानीय मान"**
सामग्री : चित्रों से बने हुए पर्चे

तरीका :

नीचे दिये खानों में बहुत से चित्र बने हैं। अध्यापक इसी प्रकार के चित्र बने पर्चे प्रत्येक को बांट दें। अध्यापक सभी बच्चों से कहें कि इनमें से १०–१० चित्र गिन कर एक घेरा लगा दें। प्रत्येक चित्र के नीचे कालम बने हैं जिसमें बच्चे लिखेंगे कितने समूह बने, कितने खुले हैं और कुल संख्या है –

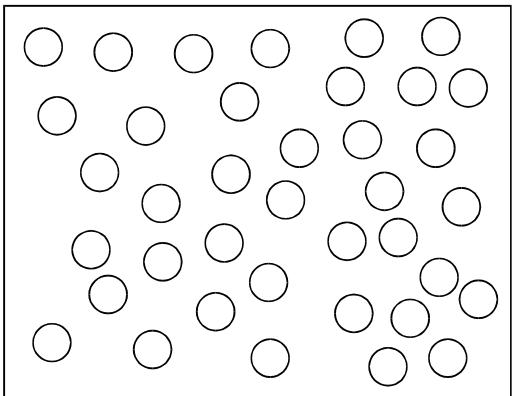

समूह	खुले	कुल संख्या

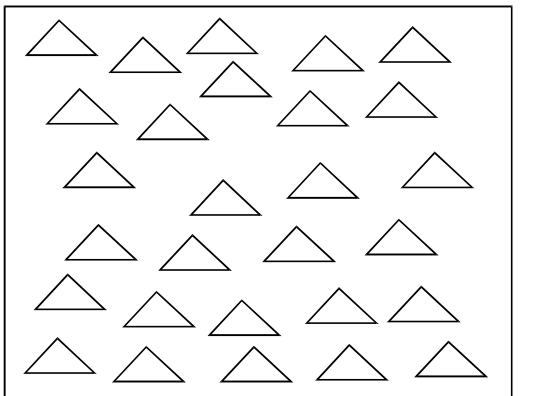

समूह	खुले	कुल संख्या

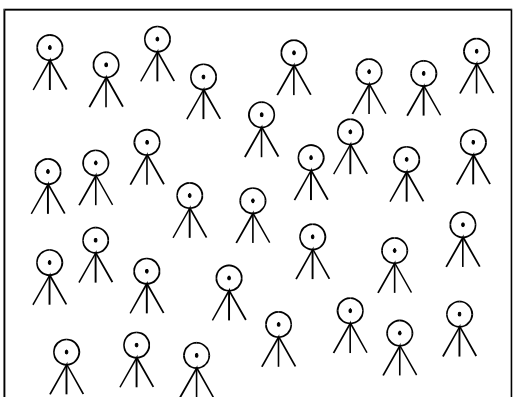

समूह	खुले	कुल संख्या

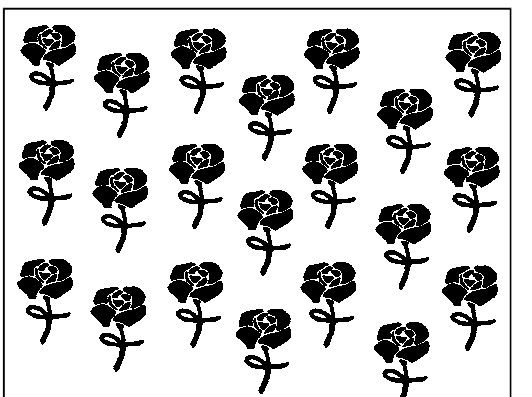

समूह	खुले	कुल संख्या

विषयवार गतिविधियों की सूची
सामान्य गतिविधियाँ

संकेत :– ढांचा

१. अन्त्याक्षरी
२. वस्तु बूझो
३. अभिनय (छड़ी या रुमाल आदि के साथ)
४. नामों में आगे पीछे (अक्षरों के आधार पर)
५. मेरी आँखों से देखो (निर्देश के आधार पर चित्र बनाना)
६. अधूरे चित्र पूरे करना
७. "गप्प" और "फुर्र" (संख्या, पक्षी या जानवर पहचान कर अंग संचालन करना)
८. तीन पीढ़ी के नाम (परिवार का इतिहास जानना)
९. हवा में अक्षर लिखकर पहचान करवाना।
१०. हवा में चित्र बनाकर पहचान करना।
११. लकड़ी, कागज, मिट्टी आदि से चीजें बनवाना।
१२. चित्र संबंध (चित्र दिखाकर उनमें संबंध पूछना)
१३. चित्र जोड़े बनाओं (असंबद्ध स्थिति में चीजों को जमा करके जोड़े बनाने को कहना)
१४. चूल्हा कूद खेल (चूल्हे में खड़े होकर गेंद फेंकना आदि)
१५. अभिनय गीत –

धम्मक–धम्मक आता हाथी,
धम्मक–धम्मक जाता हाथी।
जब पानी में जाता हाथी,
भर–भर सूंड़ नहाता हाथी।
कितने केले खाता हाथी,
यह तो नहीं बताता हाथी।

१६. गेंदे फेंकों बताओ (गोल घेरे में एक आदमी गेंद फेंकेगा, जिसके पास गेंद जाएगी वह एक फल या जानवर आदि का नाम बताएगा।)
१७. अन्दाज अपना–अपना (अलग–अलग भावों–हँसते हुए, गुस्से आदि में अपना नाम बताना)
१८. हवा किस ओर से बह रही है।(एक अक्षर के नाम वाले एकत्र होंगे)
१९. हाथ ऊपर नीचे करना (परम्परागत)
२०. "आक्–छी" वाली कहानी (कहानी कहते हुए घूम फिर कर "आक्–छी" पर आ जाना)

२१. कमरे के अन्दर की वस्तुएं लिखकर उन्हें बोलकर करवाना।

२२. अच्छा है या बुरा (कामों के नाम बोलकर अच्छे–बुरे की पहचान)

२३. कविता के साथ वस्तुओं के नाम से परिचित करना। जैसे–

अटक रहा है भटक रहा है
थैला लेकर मटक रहा है
बच्चों थैले की तुम सोचो
इसमें क्या–क्या रखते बोलो
बोलो–बोलो जल्दी बोलो

इसे बोलते हुए थैले या जेब के अन्दर की वस्तुओं की पहचान कराई जाये।

२४. "ओका बोका तीन तलोका" खेल

२५. कबड्डी

गतिविधि बैंक

भाषा

संकेत :– ढांचा

१. कहानी सुनाना, हाव–भाव से कविता सुनाना। (कविता बनाना)।
२. पहेलियाँ सुनाना/बुझाना। जैसे–
"एक पेड़ सरसौआ उस पर चील बैठे न कौआ।" (धुआँ)।
३. असम्बद्ध शब्दों से वाक्य बनवाना/कहानी बनवाना।
४. चित्र कार्ड, अक्षर कार्ड, शब्द कार्ड से वाक्य बनवाना/कहानी बनवाना।
५. वाक्यों में छिपे फलों के नाम निकलवाना। जैसे –
६. किसी वस्तु पर एक–एक वाक्य बोलना/वस्तु विविध उपयोग।
७. चित्र देखकर कहानी गढ़ना।
८. चित्र में वस्तु ढूँढ़े, फिर लिखें।
९. अक्षरों से शब्द बनाना (तम्बोला)। जैसे–

फ	ल	न	ध
ट	ज	व	ड़
घ	र	त	ह
स	च	म	क

१०. किन अक्षरों का आकार मिलता है ? जैसे –
भ और म, ध और घ, व और ब
११. य= ल, क = ग तो छ = ?, त = ?
१२. कविता की दो पंक्तियों को आगे बढ़ाना। जैसे –
? "एक था लड्डू बहुत रसीला ....."
१३. निर्देश के आधार पर लिखना।
१४. विलोम शब्द को बोलना।
१५. अधूरे चित्र पूरे करना।
१६. गप्प और फुर्र (जैसे– संख्या या जानवर शब्द से वाक्य पहचान कर)।
१७. तुम कहाँ के, हम कहाँ के (जैसे – गाँव या जिला की जानकारी)।
१८. कम बच्चे होने पर व्यक्तियों के, साथियों के , पक्षियों के या फलों के नाम को श्यामपट्ट पर लिखवाना।

१६. हवा में अक्षर लिखवाकर पहचान करवाना।
२०. स्मरण खेल (वस्तुएं याद रखना)।
२१. भाषा की कूद खेल।
२२. सही जोड़ी बनाओ। (जैसे – कुर्सी, लोटा, सुई, मेज, बाल्टी, म्यान, धागा व तलवार आदि।
२३. शब्दों पर बोलना (आसान से कठिन शब्द की ओर)।
२४. अन्तहीन कथा।
२५. पुस्तक में कितने शब्द मेरे, कितने शब्द तेरे ?
२६. किसी पाठ के शब्दों को छूकर तथा बगैर छुए गिनना।
२७. बेमेल शब्दों से कहानी बनाना।
२८. गेंद फेंको (जिसके पास गई, वह एक फल या जानवर का नाम बताएगा।)
२९. अपने नाम के पहले अक्षर से किसी मिठाई, फल, फूल, पशु, पक्षी या शहर का नाम बोलना।
३०. नाम अंकन (जैसे– कोई कार्ड पर अपने नाम को लिखकर चित्र बनाएगा)
३१. किसी भी मात्रा का प्रयोग करके अक्षरों के सार्थक शब्द बनाना।
(जैसे– 'क'+'ा'=का, 'ल'+`= ले आदि।)।
३२. शब्दों से वाक्य बनाना।
३३. कविता के माध्यम से मेले का वर्णन। (अध्यपाक मेले की एक दो–वस्तुओं का नाम बताकर पूछें –) जैसे –

"भालू देखा बन्दर देखा
मीठा–मीठा केला देखा
बोलो मोहन बोलो रेखा
तुम दोनों ने क्या–क्या देखा ?"

३४. अखबार का उपयोग (खास तरह की सूचनाएं, चित्र, कहानियाँ, पहेलियाँ एकत्र करना)
३५. घड़े में ढूढ़ों (जोड़ा बनाओ, बताओ और लिखो)
३६. अध्यापक की मौन गतिविधि (अध्यापक चुप रहकर श्यामपट्ट पर लिखता है, बच्चे उसका उत्तर देते हैं।)

गतिविधि बैंक

गणित

संकेत :– ढाँचा

१. कलैन्डर।
२. अंक कार्ड खेल।
३. सम–विषम (संख्याओं पर आगे–पीछे कूदना)।
४. अंकों से संख्या बनाना।
५. निर्देश के आधार पर संख्या लिखना।
६. अधूरे चित्र पूरे करना।
७. 'गप्प' और 'फुर्र' (संख्याओं के साथ)।
८. 'क्रम' से संख्या याद दिलाना (पहले की याद संख्याएं लिखवाकर आगे की संख्या याद दिलाना)।
९. बड़ा जोड़ करो, जीतो (कम बच्चों वाली कक्षा के लिए)।
१०. हवा में लिखे अंक पहचानो।
११. थैली में सामान डालकर, उसे वर्गीकरण के आधार पर गिनवाना।
१२. तम्बोला

२ से काटी हुए संख्याएं :

८	१२	१२	२४
२६	४०	६	६
४	३	१	०
५	७	१४	२२

१३. चित्र संबंध (विविध चित्रों में से परस्पर संबंधित चित्र छाँटना)।
१४. पांसे का खेल– लूडो, सांप–सीढी।
१५. बोल भाई कितने ?
१६. पुस्तक के कितने पन्ने तेरे, कितने मेरे।
१७. पुस्तक के शब्दों को छूकर और बिना छुए गिनना।
१८. गणित की रिले रेस (दूर रखे फ्लैश कार्डों पर लिखे सवाल हल करके जल्दी लौटना)।
१९. गेंद मिली तो संख्या बोलो।
२०. आकृतियाँ ढूँढना (दिमागी कसरत)।
२१. गोल घेरे में जोड़–घटाना (बच्चों को घेरे में खड़ा करके, उनको विभिन्न समूहों में जोड़कर और अलग–अलग करके)।
२२. कविता के माध्यम से संख्याओं का ज्ञान।

"छुक–छुक करती चलती रेल
हुक हुक करती चलती रेल
आओ बच्चों खेलें खेल
कितने डिब्बों वाली रेल।"

२३. अलग–अलग प्रकार की रेखाओं से चित्र बनाना। जैसे–

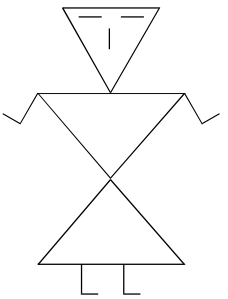
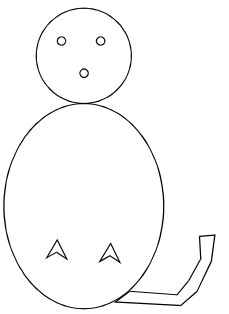
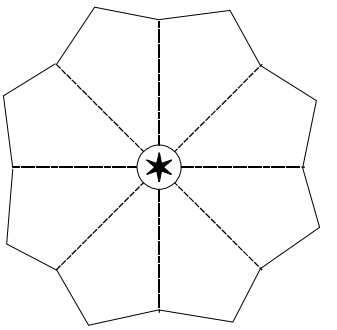

२४. गिट्टू का खेल।

२५. कंचे (शीशे की गोली) के खेल।

२६. अंक–सीढ़ी।

२७. गिट्टी (गिट्टी आयती या वर्ग के बाहर नहीं जाने पर)।

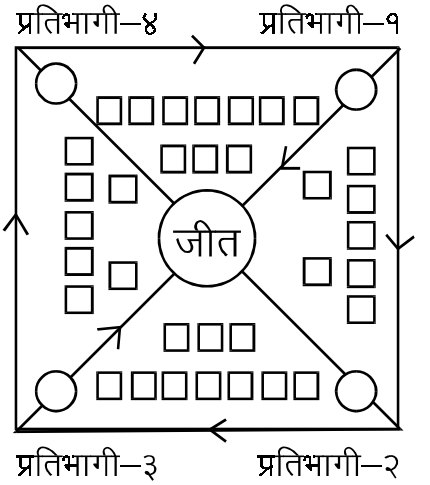

गतिविधि बैंक
पर्यावरण

संकेतः– ☐ ढांचा

१. चित्र में पेड़, बीज, आदि पहचानना।
२. शब्द से चित्र बनाना/चित्र से शब्द लिखना।
३. तम्बोला में पशु, पक्षियों, पेड़, फल, सब्जी, जानवर, व फूल आदि ढूँढ़ना।

क	बू	त	र
म	छ	ली	शे
ल	लू	आ	म
बै	भा	च	म्पा

४. परिभ्रमण।
५. कविता से अभिनय।
६. अपने नाम के अक्षर से पर्यावरण की वस्तुओं के नाम बताना।
७. पर्यावरण में पायी जाने वाली वस्तुओं का मुखौटा (आकृति) बनाकर "जंगल–जंगल" खेलना।
६. सामूहिक शैक्षिक खेल (ताड़–हाथी, कविताएं, कहानियाँ)।
१०. किसी एक पेड़ का अध्ययन।
११. जानवरों की नकल करना/चलना/आवाजें निकालना।
१२. एक पेड़ से गतिविधि (उस पर पायी जाने वाली वस्तुएं ढूढ़ना)।
१३. बाग में पेड़ों की स्थिति दर्शाना।
१४. जलचर, नभचर, थलचर।
१५. एक छड़ी के विविध प्रयोग।
१६. जंगल में क्या–क्या है मिलता(सबकी कविता) नवीन शब्द बनाकर जोड़ना।
१७. पानी कैसे आकार बदलता है? (प्रयोग) विभिन्न बर्तनों मे व स्थानों पर।
१८. प्रदूषण से बचाव (कहानी/कविता)।
१६. एक से पेड़ एक जगह इकट्ठा हों।
२०. वस्तु बूझो।
२१. परिभ्रमण।
२२. आस–पास का मानचित्र।
२३. आस–पास का मानचित्र।
२४. तुम कहाँ के हम कहाँ के (ग्राम व जिले की जानकारी)।

२५. थैली में चीजें ढूँढ़ना और वर्गीकरण।
२६. स्थानीय इतिहास की खोज।
२७. गेंद मिली तो नाम बताओ।
२८. चित्र बनाओ, नाम लिखो।
२९. कविता के माध्यम से लकड़ी वे लोहे से बनी वस्तुओं का ज्ञान कराना। जैसे –

घर की बोलो विद्यालय की बोलो
गाँव की बोलो हाट की बोलो
लकड़ी से क्या बना बोलो
लोहे से क्या बना है बोलो
जल्दी बोलो, जल्दी बोलो।"

३०. वृक्षों से पर्यावरण का ज्ञान । जैसे –

"कितना प्यारा लगता शीशम
सबका मन है हरता शीशम
इसके हैं उपयोग बड़े
दूर प्रदूषण करते शीशम।"

३१. कविता के माध्यम से मेले का वर्णन। (अध्यापक मेले की एक–दो वस्तुओं का नाम बताकर पूछें –) जैसे –

"भालू देखा बन्दर देखा
मीठा–मीठा केला देखा
बोलो मोहन बोलो रेखा
तुम दोनों ने क्या–क्या देखा।"